

भारत ने आतंकवाद पर सटीक प्रहार करते हुए शांति के साथ स्थापित किया नया वैश्विक मानदंड : धनखड़

जयपुर , 15 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार जाकर आतंकवाद पर सटीक प्रहार करते हुए शांति का भाव बनाए रखते हुए विश्व स्तर पर एक नया मानदंड स्थापित किया है और इससे एक बड़ा बदलाव आया है कि अब आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्री धनखड़ जयपुर में गुरुवार को भैरों सिंह शेखावत स्मृति पुस्तकालय का उद्घाटन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब ब्रह्मोस और आकाश की शक्ति को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय सेना के पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि विश्व स्तर पर एक नया मानदंड स्थापित किया गया है। शांति के भाव को बनाए रखते हुए आतंकवाद पर सटीक प्रहार करना हमारा उद्देश्य रहा है। पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार जाकर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों पर सटीक प्रहार किया गया और दुनिया में किसी ने प्रमाण नहीं मांगा। पूरी दुनिया ने



शक्ति के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा भारत ने पहली बार मई महीने में पोखरण-द्वितीय के माध्यम से राजस्थान की धरती पर अपनी ताकत का परिचय दिया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे और भैरों सिंह शेखावत राजस्थान के मुख्यमंत्री। तब हमने एक बड़ा मील का पथर हासिल किया। जब पहलगाम में उकसावे की घटना हुई, तब भारत की ताकत को दुनिया पहले ही पहचान चुकी थी। हम अपनी अर्थव्यवस्था में एक बड़ी छलांग लगा चुके थे। आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी शक्ति हैं और तीसरे स्थान की

ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा जब प्रधानमंत्री को लगा कि भारत की पहचान को चुनौती दी जा रही है, उन्होंने बिहार की धरती से दुनिया को एक संदेश दिया और उस पर दृढ़ता से टिके रहे। दुनिया ने देखा कि हमारे आकाश का क्या अर्थ है। दुनिया ने ब्रह्मोस का अर्थ समझा। आज यह शक्ति वैश्विक रूप से स्वीकार की जा चुकी है। उन्होंने अपने जीवन के दो पथ-प्रदर्शकों को स्मरण करते हुए कहा मेरे जीवन में दो व्यक्तित्वों का विशेष महत्व रहा है भैरों सिंह शेखावत और चौधरी देवी लाल। दोनों का धरती से गहरा जुड़ाव था और आमजन से मजबूत संबंध। दोनों के जीवन निष्कलंक थे और उन्होंने राजनीति में एक महान परंपरा को पोषित किया। मैं तो उस वटवृक्ष का एक छोटा सा पत्ता हूं। उन्होंने भैरों सिंह शेखावत के संसदीय पारदर्शिता में ऐतिहासिक योगदान की सराहना की और कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में भैरों सिंह शेखावत एक प्रखर व्यक्तित्व ने पारदर्शिता में एक नया मानदंड स्थापित किया। उन्होंने सभी

सांसदों को अपनी संपत्ति की घोषणा करने के लिए बाध्य किया। यह पहल भैरों सिंह शेखावत ने ही शुरू की थी। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण शुरुआत थी। उन्होंने कहा श्री शेखावत उस वटवृक्ष की तरह थे, जिसकी छाया में सब कुछ पु-ष्पित होता रहा। उन्होंने कहा मुझे गर्व है कि उपराष्ट्रपति के रूप में जब मैं देश के किसी भी हिस्से में जाता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि जो मेरे पास है, वह किसी भी उपराष्ट्रपति के पास नहीं रहा। क्योंकि वही थे जिन्होंने मेरी उंगली थामी, मेरा हाथ थामा, मुझे मार्गदर्शन दिया, मुझे राजनीति से परिचित कराया, मुझे जन-सेवा की प्रेरणा दी और उसी के कारण मैं इस पद तक पहुंचा हूं। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे, केंद्रीय भू-संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, पूर्व मंत्री नारपत सिंह राजवी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पाकिस्तान ने टॉर्चर के बाद छोड़ा बीएसएफ का जवान 21 दिन बाद पाकिस्तान के चंगुल से छूटा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने 21 दिनों तक अपने यहां हिरासत में रखने के बाद बीएसएफ के जवान को छोड़ दिया। पाकिस्तानी सुरक्षाबल ने बीएसएफ जवान को गंदी गालियां दीं, आंखों पर पट्टी बांधे रखी और सीमा पर भारतीय सेना की तैनाती की जानकारी लेने की कोशिशें कीं। पाकिस्तानी सुरक्षाबल ने उन भारतीय अधिकारियों के बारे में भी जानकारी लेने की कोशिश की जो पाकिस्तान सीमा पर तैनात हैं। पाकिस्तान ने 23 अप्रैल को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जवान पूर्णम कुमार शां को हिरासत में लिया था। उसे 14 मई 2025 को छोड़ दिया गया। लेकिन इन 21 दिनों में पाकिस्तानियों ने उसे काफी प्रताड़ित किया। पाकिस्तानियों ने उसे सोने नहीं दिया और गंदी गालियां भी दीं। बीएसएफ जवान को पाकिस्तान में तीन जगह ले जाया गया था। इन लोकेशन के विषय में बीएसएफ जवान को कुछ नहीं पता, क्योंकि उसकी आंखों पर लगातार पट्टियां बंधी हुई थीं। यहां पाकिस्तानियों ने जवान से सीमा पर बीएसएफ की पोस्टिंग के विषय में जानकारी जुटाने की कोशिश की। पाकिस्तान ने बीएसएफ के अधिकारियों के फोन नंबर भी साझा करने का दबाव बनाया और इसके लिए जवान को मानसिक तौर पर काफी प्रताड़ित किया। कस्टडी के 21 दिनों के दौरान जवान को सोने नहीं दिया गया और कहीं ले जाने पर उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती थी। बीएसएफ जवान को अटारी-वाघा बॉर्डर से बीएसएफ वापस लाई। भारत ने इस दौरान एक पाकिस्तानी रैंजर को भी वापस किया। बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शां को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल 2025 को पाकिस्तानी रैंजर ने पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर से गिरफ्तार कर लिया था। पाकिस्तानियों ने दावा किया था कि वह उनकी जमीन पर आ गए थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दबाव के चलते पाकिस्तान को उन्हें रिहा करना पड़ा।

वर्ष 2028 तक दिल्ली में खत्म हो जाएंगे कूड़े के पहाड़: सिरसा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को हटाने और वर्ष 2028 तक दिल्ली से सभी 'कूड़े के पहाड़' समाप्त कर करने का लक्ष्य रखा है।

श्री सिरसा ने ओखला लैंडफिल स्थल का निरीक्षण यहां चल रही बायो-रिमेडिएशन और बायो-माइनिंग गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 62 एकड़ क्षेत्र में फैले ओखला लैंडफिल की ऊँचाई 60 मीटर से घटकर अब 20 मीटर रह गई है। इसके तहत अब तक 30 एकड़ से अधिक भूमि कचरे से मुक्त होकर समतल हो चुकी है। सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2025 तक 30 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे को हटाया जाए और वर्ष 2028 तक दिल्ली से सभी 'कूड़े के पहाड़' समाप्त कर दिए जाएं।

उन्होंने कहा, जो काम पिछली 'आप-दा' सरकार 10 वर्षों में भी नहीं कर पाई, वह हम कुछ ही समय में करके दिखा देंगे। यह कोई जादू नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में किये गए स्वच्छ दिल्ली संकल्प के निरंतर प्रयास का नतीजा है। आम आदमी पार्टी का नाम बदलकर

अब 'आगे आए पॉल्यूशन पार्टी' कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर भारत सीमा पार जाकर आतंकियों के ठिकाने नष्ट कर सकता है, तो हम अपनी राजधानी से कूड़े के पहाड़ भी हटा सकते हैं ताकि दिल्ली के नागरिकों का स्वास्थ्य और भविष्य सुरक्षित रह सके। जैसे पृथ्वी से डायनास-रे लुप्त हो गए, वैसे ही ये कूड़े के पहाड़ भी दिल्ली से गायब हो जाएंगे।

दिल्ली में पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। इससे लैंडफिल के आसपास रहने वाले लाखों लोगों को एक नया जीवन मिलेगा।

श्री सिरसा ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा और स्वच्छ जल मुहैया कराने के अलावा कचरे के पहाड़ों का पूर्ण सफाया शामिल है। पर्यावरण मंत्री ने जोर देकर कहा कि यह परियोजना 'विकसित दिल्ली' मिशन का एक अहम हिस्सा है, और यह राजधानी में ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस परियोजना का उद्देश्य न सिर्फ शहरी भूमि को पुनः उपयोग के लायक बनाना है और हरियाली विकसित कर आग लगने के खतरे को कम करना है।

तुर्किए की कंपनी का भारत में सिक्योरिटी क्लियरेंस रह

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की जवाबी सैन्य कार्रवाई में उसकी मदद करने वाले तुर्किए के खिलाफ एक और सख्त कदम उठाते हुए गुरुवार को उसकी कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर कहा कि ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी श्रेणी में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का सिक्योरिटी क्लियरेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किया जा रहा है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक ने कहा है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों को देखते हुए उठाया गया है। यह कंपनी दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर काम कर रही थी। उल्लेखनीय है कि भारत को जब से यह पता चला है कि पाकिस्तान द्वारा की गयी सैन्य कार्रवाई में बड़े पैमाने पर तुर्किए के ड्रोन का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया गया है तब से वह तुर्किए और वहां के संस्थानों तथा कंपनियों के खिलाफ सख्ती बतार रहा है।

बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा यूपी

योगी सरकार ने सीड पार्क स्थापना को दी मंजूरी

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश में पांच सीड पार्कों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर स्थापित किए जाने वाले सीड पार्क को प्रदेश के 5 क्लाइमेटिक जोन में चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाएगा।

प्रदेश सरकार द्वारा इस योजना के तहत पहले सीड पार्क की स्थापना लखनऊ जिले के अटारी स्थित राजकीय कृषि प्रक्षेत्र की 130.63 एकड़ भूमि पर की जाएगी, जिस पर 266.70 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय होगा। सीड पार्क के माध्यम से बीज उत्पादन, प्रोसेसिंग, भंडारण, स्पीड ब्रीडिंग व हाइब्रिड लैब जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी, तराई, मध्य, बुंदेलखंड एवं पूर्वी जोन में कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुरूप सीड पार्क स्थापित किए जाएंगे।

गुर्वार को लोकभवन सभागार में

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ बैठक में कुल 10 प्रस्तावों को अनुमोदन प्राप्त हुआ।

प्रस्ताव के विषय में जानकारी देते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि सरकार इन सीड पार्कों में निवेश करने वाले बीज व्यवसायियों को विभिन्न रियायतें प्रदान करेगी, ताकि निजी निवेश को बढ़ावा मिल सके। बीज उद्योगों को 30 वर्ष की लीज पर भूमि दी जाएगी, जिसे आवश्यकता अनुसार 90 वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि एक सीड पार्क से लगभग 1200 लोगों को प्रत्यक्ष तथा 3000 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही लगभग 40,000 बीज उत्पादक किसान इन पार्कों से सीधे तौर पर जुड़ेंगे। पूरे प्रदेश में पांच सीड पार्कों की स्थापना से 6000 प्रत्यक्ष एवं 15,000 अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा कृषि राज्य है, जिसका कुल कृषि क्षेत्रफल 162 लाख हेक्टेयर है। यहां हर साल लगभग 139.43 लाख कुंतल

बीज की आवश्यकता होती है, जबकि वर्तमान में इसकी पूर्ति में प्रदेश को दूसरे राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। सीड पार्कों की स्थापना से यह निर्भरता समाप्त होगी और स्थानीय स्तर पर किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उचित दामों पर सुलभ होगा। इसके साथ ही बीज प्रतिस्थापन दर (ड्रॉट) में वृद्धि के साथ उत्पादकता बढ़ेगी और इससे प्रदेश के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही, उत्तर प्रदेश गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनकर अन्य राज्यों को भी बीज आपूर्ति करने की स्थिति में आ जाएगा।

योगी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में मांगलिक आयोजनों की सुविधा बढ़ाने के लिए ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में एक विवाह घर बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। मंत्रिपरिषद ने इसे पंचायत उत्सव भवन का नाम दिया है। प्रथम चरण में 71 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में इन उत्सव भवनों का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर 100 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान है। प्रत्येक उत्सव भवन पर 1.41 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत आएगी। इसमें उत्तर प्रदेश मातृ भूमि योजना के अंतर्गत दानदाता द्वारा 60 प्रतिशत और राज्य



श्री मेहता से कहा कि वे 19 मई तक अपने-अपने लिखित नोट अदालत के समक्ष दाखिल कर दें। पीठ के समक्ष एक अन्य पक्ष की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इससे पहले उन्होंने वक्फ अधिनियम 1995 के प्रावधानों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि नई याचिका में उनके मुवक्किलों ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के विभिन्न प्रावधानों को चुनौती दी है।

उनके मुवक्किल वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों से भी दुखी हैं, जिसे 2025 में संशोधित किया गया है। श्री जैन ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें दलीलें पेश करने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाए। इस पर पीठ ने श्री जैन से पूछा कि आपकी शिकायत क्या है? उन्होंने वक्फ न्यायाधिकरण को असंवैधानिक बताते हुए कहा कि यह अभी भी मौजूद है और कई अन्य धाराएं हैं जो कठोर हैं

और वे अभी भी कानून में मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता जैन से पूछा, वे कब से अस्तित्व में हैं। इस पर अधिवक्ता जैन ने कहा कि 1995 से और 2025 में भी।

पीठ ने कहा, यदि वे 1995 से अस्तित्व में हैं और उन्हें चुनौती नहीं दी गई है... और यदि उन्हें चुनौती दी गई थी तो कब दी गयी। इस पर अधिवक्ता ने कहा कि 1995 के अधिनियम को पहले भी चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने उन्हें उच्च न्यायालय में जाने को कहा था। इन दलीलों के साथ उन्होंने कहा, हमने 140 याचिकाएँ दायर की हैं जो विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित हैं और अब हमने वर्तमान रिट याचिका दायर की है, जो एक नया मामला है...

इसके बाद पीठ ने पूछा कि न्यायालय 2025 में 1995 के अधिनियम को चुनौती देने की अनुमति कैसे दे सकता है। जब न्यायालय 20

मई को मामले पर सुनवाई करेगा, तो वह 1995 के पहले के वक्फ कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की किसी भी याचिका पर विचार नहीं करेगा।

पीठ ने कहा, हम यह स्पष्ट कर रहे हैं कि 1995 के अधिनियम के किसी भी प्रावधान पर रोक लगाने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं करेंगे। सिर्फ इसलिए कि कोई 2025 के संशोधन को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है और कोई बस 1995 के अधिनियम को चुनौती देना चाहता है, इसकी अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसके बाद श्री मेहता ने कहा कि श्री जैन कहना चाहते हैं कि वह लंबे समय से उस स्थगन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन इस अदालत ने उनके मुवक्किलों को उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया और 1995 के अधिनियम के संबंध में प्रार्थना पर कभी विचार नहीं किया।

अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने उनसे कहा कि वे तैयार होकर आएँ और अपनी दलीलों का समेकित नोट प्रस्तुत करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मामले की सुनवाई 20 मई को स्थगित न हो।

गौरतलब है कि इस मामले में इससे पहले तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना (जो 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त हो गए) और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी

विश्वनाथन की पीठ ने विचार किया था।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार के आश्वासन के बाद 17 अप्रैल को हाल में किए गए वक्फ कानून (वर्ष 2025 के इस संशोधित कानून में) में बदलावों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया था कि वक्फ बोर्डों और परिषदों में कोई भर्ती नहीं की जाएगी और उपयोगकर्ताओं द्वारा वक्फ के रूप में घोषित या पंजीकृत वक्फ संपत्तियों को अगली सुनवाई की तारीख तक वक्फ की संपत्ति बनी रहेगी और बदलाव नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम 2025 का बचाव करते हुए 25 अप्रैल को एक प्रारंभिक हलफनामा दायर किया। हलफनामे में केंद्र ने इस संबंध में संसद में पारित कानून पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की रोक का विरोध किया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश खन्ना की पीठ ने कहा था कि वक्फ मामले में केवल पांच याचिकाओं को ही मुख्य याचिका माना जाएगा और अन्य रिट याचिकाओं को हस्तक्षेप आवेदन माना जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वक्फ अधिनियम के खिलाफ शीर्ष अदालत में अब तक 100 से अधिक याचिकाएँ दायर की जा चुकी हैं।

कर्नाटक के लिए दो नई रेलवे लाइनों की फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी

बेंगलूरु, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे बोर्ड ने कर्नाटक में दो अहम नई रेल परियोजनाओं के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। इनमें 162 किमी लंबी अलमट्टी-यादगिरि रेल लाइन के सर्वे के लिए 4.05 करोड़ और 73 किमी लंबी भद्रावती-चिकजाजूर (चन्नगीरी के माध्यम से) रेल लाइन के सर्वे के लिए 1.825 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। कुल लागत 5.875 करोड़ होगी। अलमट्टी-यादगिरि लाइन उत्तर कर्नाटक को प्रमुख आर्थिक गलियारों से जोड़ेगी, जबकि भद्रावती-चिकजाजूर लाइन से राज्य के मध्य भागों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह पहल राज्य में व्यापार, औद्योगिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देगी।

पाकिस्तान सीमा पर तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपाय जारी रहेंगे: सेना

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने सीमा पर तनाव कम करने के लिए परस्पर विश्वास के उपाय जारी रखने का निर्णय लिया है।सेना ने गुरुवार देर शाम बताया कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच 10 मई को बनी सहमति और समझ को आगे बढ़ाने के लिए सीमा पर परस्पर विश्वास बढ़ाने के उपाय जारी रखने का निर्णय लिया गया है। सेना ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि आज का यह निर्णय दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की बातचीत के दौरान लिया गया या नहीं। इस बीच मीडिया रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच आज बातचीत में सैन्य कार्रवाई आगामी रविवार तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य कार्रवाई स्थगित करने पर सहमत हुए थे। इसके बाद दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों की सोमवार को हुई बातचीत में सैन्य कार्रवाई स्थगित रखने तथा सीमाओं और अग्रिम मोर्चों पर सैनिकों की संख्या में कमी करने पर सहमति व्यक्त की गई थी ।



साउथ से लेकर बॉलीवुड तक कई फिल्मों में रामी रेड्डी ने दिखाई अपनी खलनायिकी

जर्नलिज्म छोड़ अभिनय का रास्ता चुना

कोई और नहीं बल्कि रामी रेड्डी थे।

रामी रेड्डी ने साउथ से लेकर बॉलीवुड तक कई फिल्मों की और उनमें अपनी खलनायिकी दिखाई। कभी वह कर्नल चिकारा बने तो कभी अन्ना बनकर दहशत फैलाई। मगर क्या आपको पता है कि सिनेमा में दहशत का दूसरा नाम कहे जाने वाले रामी रेड्डी कभी जर्नलिस्ट हुआ करते थे। जर्नलिज्म छोड़ उन्होंने अभिनय का रास्ता कैसे और क्यों चुना? चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

जर्नलिस्ट थे रामी रेड्डी

1 जनवरी 1959 चित्तूर जिले में जन्मे गंगासानी रामी रेड्डी ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह अभिनय की दुनिया में आएंगे। उनका खाब तो जर्नलिस्ट बनना था और वह इस राह पर भी चले। शुरुआती पढ़ाई करने के बाद रामी ने हैदराबाद के उस्मानिया यूनिवर्सिटी से जर्नलिज्म की पढ़ाई की और डिग्री पूरी होते ही एक अखबार में काम करने लगे।

एक इंटरव्यू में बदली किस्मत

किस्मत का खेल ही था, जर्नलिस्ट बनने के बाद भी उनका खेलम वर्ल्ड से कनेक्शन होता गया। वह फिल्मी सितारों के इंटरव्यूज लिया करते थे। ऐसे ही एक इंटरव्यू ने उनकी किस्मत बदल दी। एक बार उन्होंने साउथ के मशहूर डायरेक्टर कोडी रामाकृष्ण का इंटरव्यू लिया था। डायरेक्टर उनसे इस कदर इंप्रेस हुए थे कि तुरंत उन्हें अपनी फिल्म का ऑफर दे दिया।

रामी रेड्डी का पहला डेब्यू रहा शानदार

रामी रेड्डी ने कभी अभिनय के बारे में सोचा नहीं था, लेकिन जब ऑफर आया तो उन्होंने ठुकराने की बजाय उसे स्वीकार किया और वह चमक गए। उनकी पहली फिल्म थी अनुकुसम (1989) जिसमें उन्होंने स्पॉट नाना (खलनायक) का किरदार निभाया था। इसी फिल्म के बाद रामी रेड्डी का अभिनय की दुनिया में सफर शुरू हुआ।

बॉलीवुड में फैलाई दहशत

तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों से मशहूर होने के बाद रामी रेड्डी को बॉलीवुड से भी ऑफर मिले। जब अनुकुसम का हिंदी रीमेक प्रतिबंध बना तो इसमें भी रामी रेड्डी ने काम किया और वह हिंदी सिनेमा में छा गए। उन्हें असली पहचान अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वक्त हमारा है' में कर्नल चिकारा की भूमिका से मिली थी। इसमें उनका डायलॉग 'तबाही की आंधी और बर्बादी के तूफान का नाम है चिकारा' खूब पॉपुलर हुआ था। इसके बाद उन्होंने तमाम हिंदी फिल्मों में खलनायिकी दिखाई। अंगरक्षक, आंदोलन, हकीकत, अंगारा, कालिया, लोहा, हत्या, गुंडा, दिलवाले, शेरा, जानवर, गंगा की कसम रामी रेड्डी ने फिल्म इंडस्ट्री में करीब दो दशक तक काम किया है। हालांकि, मात्र 52 साल की उम्र में 14 अप्रैल 2011 को उनका लिवर और किडनी संबंधित बीमारी से निधन हो गया था। आज वह भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए वह हमेशा अपने फैंस के दिलों में जिंदा रहेंगे।



फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने के लिए तैयार अजय देवगन के बेटे युग देवगन

14 साल की उम्र में पिता संग फिल्म
कराटे किड लेजेंड्स में मचाएंगे धमाल

बॉ लीवुड के पॉपुलर स्टार किड्स अपने माता या पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नाम कमा रहे हैं। बीते कुछ समय में शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान जैसे सितारों ने फिल्मों में डेब्यू किया। अब बारी है अजय देवगन के लाडले युग देवगन की। जी हां, अजय देवगन के बेटे युग देवगन भी अब फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने के लिए एकदम तैयार हैं, वो भी अपने पिता के साथ। उनकी फिल्म की पहली झलक और रिलीज डेट भी सामने आ गई है जिसे देख फैंस भी गदगद हो गए हैं।

दरअसल, अजय देवगन के बेटे युग देवगन जैकी चैन की हॉलीवुड फिल्म कराटे किड लेजेंड्स की फिल्म की आवाज बनने वाले हैं। वह इस मच अवेटेड फिल्म में बेन वाना का हिंदी डब में अपनी आवाज देंगे। इस

फिल्म का अजय देवगन भी हिस्सा है। वह हिंदी वर्जन में जैकी चैन की आवाज बनेंगे।

सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी शेयर की है। फोटो में अजय देवगन और युग देवगन साथ में नजर आ रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, मास्टर के पास एक नई आवाज है। तो क्या स्टूडेंट के पास है। अजय देवगन और युग देवगन जैकी चैन और बेन वांग की एपिक जर्नी को कराटे किड लेजेंड्स (हिंदी) में जीवन में लाने के लिए तैयार हैं।

मेकर्स ने हिंट दिया है कि जल्द ही कराटे किड लेजेंड्स का हिंदी ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 30 मई को रिलीज होगी। मालूम हो कि अजय देवगन के बेटे की तरह मुफासा द लायन किंग से शाह रुख खान के बेटे अबराम खान ने भी अपनी आवाज दी थी। इस फिल्म में शाह रुख ने भी आवाज दी थी।

उर्फी जावेद का टूटा सपना! अब नहीं जा पाएंगी कान्स फिल्म फेस्टिवल

उ र्फी जावेद अपने अतरंगी स्टाइल के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं, लेकिन इस बार वह अपने पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। उर्फी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, मैं पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया से दूर थी। कुछ भी अपलोड नहीं कर रही थी। कहीं पर भी स्पॉट नहीं हो रही थी क्योंकि मैं मुश्किल दौर से गुजर रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चल रहा। मैंने काफी अलग-अलग चीजें भी कोशिश की, लेकिन हर बार ही मुझे रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। मुझे इंडे वाइड के जरिए कान्स जाने का मौका भी मिला था, लेकिन जैसी मेरी किस्मत में लिखा था, मेरा बीजा रिजेक्ट हो गया। मैं कुछ

मजेदार आउटफिट आइडिया पर काम कर रही थी (दीपा खोसला और क्षितिज कांकरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद), लेकिन बीजा रिजेक्ट होने के बाद मैं और मेरी टीम बेहद निराश हो गई हैं। उन्होंने आगे लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से बहुत से लोग खुद रिजेक्शन से गुजरे होंगे और मुझे आपकी कहानियां जानना अच्छा लगेगा। आइए एक-दूसरे का समर्थन करें क्योंकि रिजेक्शन दुनिया का अंत नहीं है। यह आपको और कड़ी मेहनत करने के लिए मोटिवेट करता है। रिजेक्शन के बाद, निराश महसूस करना और उस पर रोना साधारण है। यहां तक कि मैं भी रोती हूं, लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो हर रिजेक्शन एक मौका है। जिंदगी में बहुत सारे रिजेक्शन के बाद मैं रुकने वाली नहीं हूँ और इसलिए आपको भी नहीं रुकना चाहिए।

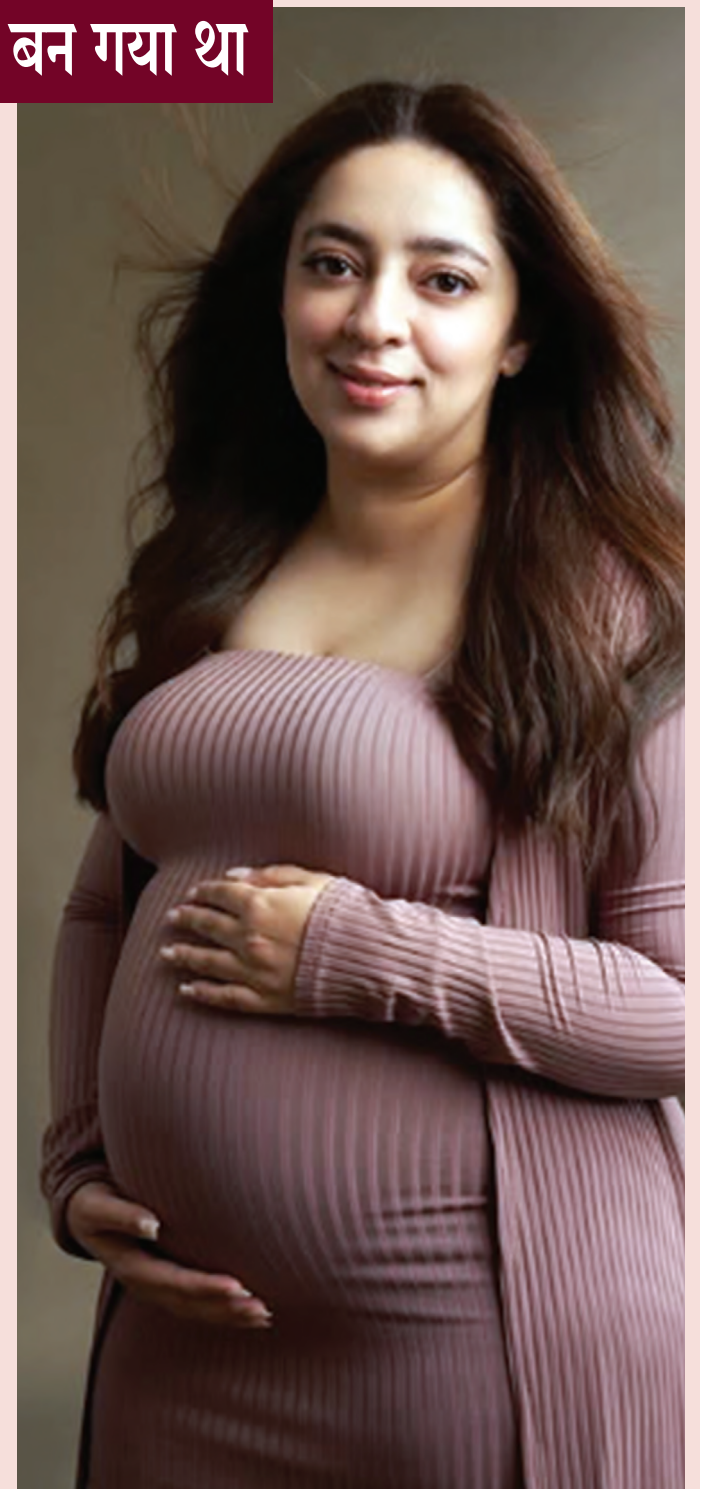
बता दें कि कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हर बार की तरह इस साल भी ऐश्वर्या राय बच्चन रेड कारपेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरेंगी। इसके अलावा जादवी कपूर, ईशान खट्टर और करण जोहर भी आने वाले हैं। क्योंकि कान्स में उनकी फिल्म होम बाउंड की स्क्रीनिंग होने वाली है। इसके अलावा शर्मिला टैगोर सत्यजीत रे की फिल्म अरान्यर दिन रात्रि की स्क्रीनिंग के लिए शामिल होंगी।

कई प्रेग्रेसी अनाउंसमेंट मेरे लिए एक ट्रिगर बन गया था

फिल्म बाँडर 2 की निर्माता ने टीटीसी पर की खुलकर बात

म शहर फिल्ममेकर जेपी दत्ता की बेटी और प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने हाल ही में मां बनने की कोशिश के अपने भावुक और चुनौतीपूर्ण सफर को साझा किया है। उन्होंने बताया कि बहुत सी महिलाएं मां बनने की कोशिश के दौरान शारीरिक और मानसिक रूप से तकलीफें झेलती हैं, लेकिन अक्सर समाज में इन बातों पर खुलकर चर्चा नहीं होती। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि अगर उन्हें भी इस तरह की समस्याएं हैं, तो वे हार न मानें और मां बनने की उम्मीद न छोड़ें। निधि दत्ता ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर अपना प्रेग्रेसी फोटोशूट शेयर किया, जिसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन के जरिए निधि ने अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां बनने की राह उनके लिए आसान नहीं रही। उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह तस्वीर अगर भारत के अलावा किसी और देश में पोस्ट की गई होती, तो इसे इंस्टाग्राम पर संवेदनशील कंटेंट के रूप में टैग किया जाता, क्योंकि यह उन लोगों के लिए मानसिक रूप से प्रभावित करने वाली है, जो टीटीसी से गुजर रहे हैं... ठीक वैसे ही जैसे कई प्रेग्रेसी अनाउंसमेंट मेरे लिए एक ट्रिगर बन गया था। टीटीसी... एक शब्द जिसे मैं पहले जानती भी नहीं थी, लेकिन फिर यह मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गया। टीटीसी यानी ट्राई टू कंसीव। यह एक प्रक्रिया है, जिसमें एक कपल पेरेंट्स बनने की कोशिश करता है। उन्होंने लिखा कि यह सफर आंसू, डर, दर्द और लंबे इंतजार से होकर गुजरा है। उन्होंने लिखा, पूरा समय मैं आंसुओं के बीच मुस्कान ढूँढ़ने की कोशिश करती रही... डर के बीच विश्वास खोजने की... और दर्द के बीच ताकत इकट्ठा करने की कोशिश करती। एक महिला जो मां बनने की कोशिश कर रही होती है, उसके पास दुनिया का सबसे अच्छा जीवनसाथी हो सकता है, परिवार और दोस्तों का मजबूत साथ भी हो सकता है, लेकिन फिर भी वह खुद को इस सफर में बिल्कुल अकेला महसूस करती है। निधि ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं जानती हूँ कि ज्यादातर महिलाएं अपनी बातें तब शेयर करती हैं जब उनका बच्चा पैदा हो जाता है, खास तौर पर इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट के बारे में। लेकिन सच्चाई यह है कि हम यह नहीं जानना चाहते कि इस प्रक्रिया में क्या-क्या होता है! हमारे पास इसके लिए डॉक्टर हैं... और भारत में बहुत अच्छे डॉक्टर हैं। जो हमें चाहिए, वो यह है कि महिलाएं जब इस सफर से गुजर रही हों, उसी समय अपने अनुभवों को खुलकर साझा करें। प्रोड्यूसर ने कहा, मैं नहीं चाहती थी कि मैं बच्चा आने के बाद ही अपना सफर साझा करूँ। मैं चाहती हूँ कि हर वो महिला जो ये पढ़ रही है, यह जाने कि मेरा सफर अभी, जो पूरा नहीं हुआ है... लेकिन फिर भी मैं यहां हूँ, आपसे कह रही हूँ, उम्मीद रखो... मुझे देखो और ताकत हासिल करो! हार मत मानो! यही चमत्कार तक पहुंचने का एक रास्ता है।



अपरा एकादशी पर भगवान विष्णु को राशि अनुसार चढ़ाएं ये चीजें, दूर होगी घर की दरिद्रता



अपरा एकादशी का व्रत बेहद खास माना गया है। यह विष्णु भगवान को समर्पित है, जो लोग इस व्रत को रखते हैं, उन्हें अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। एकादशी माह में दो बार शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में आती है। पंचांग के अनुसार, इस साल यह एकादशी 23 मई, 2025 को मनाई जा रही है। माना जाता है कि जो लोग इस दिन भक्तिपूर्ण पूजा करते हैं और नारायण को उनकी प्रिय वस्तुएं अर्पित करते हैं, उन्हें धन-वैभव और अपार यश की प्राप्ति होती है।

अपरा एकादशी पर चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि : मेष राशि के लोगों को अपरा एकादशी पर विष्णु भगवान को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातक को इस दिन पर श्री हरि को दही-मिश्री अर्पित करना चाहिए।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर विष्णु जी को तुलसी पत्र अर्पित करने चाहिए।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को अपरा एकादशी पर नारायण को धनिया की पंजीरी का भोग लगाना

चाहिए।
सिंह राशि : सिंह राशि वालों को इस तिथि पर श्री हरि को लाल चंदन चढ़ाना चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर भगवान विष्णु को मोर का पंख चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को इस तिथि पर श्री हरि को दही-चीनी अर्पित करनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर नारायण को लाल चंदन चढ़ाना चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि के लोगों को इस दिन भगवान विष्णु को पीले रंग के वस्त्र अर्पित करने चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर नारायण को शमी के फूल चढ़ाने चाहिए।

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों को इस दिन पर भगवान विष्णु को शमी के पत्ते चढ़ाने चाहिए।

मीन राशि : मीन राशि वालों को इस तिथि पर भगवान विष्णु को हल्दी का तिलक लगाना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण ने क्यों मांगा था बर्बरीक से शीश का दान, मिला ये वरदान

बर्बरीक घटोत्कच के पुत्र और भीमसेन के पोते हैं, जिन्हें आज हम खाटू श्याम जी के नाम से जानते हैं। इनका जिक्र महाभारत ग्रंथ में भी मिलता है। खाटू श्याम जी को हारे का सहारा, तीन बाण धारी और शीश का दानी भी कहा जाता है। आज हम आपको बर्बरीक से जुड़ी एक कथा के बारे में ही बताने जा रहे हैं, जिसके अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें यह खास वरदान दिया था।

मां को दिया था ये वचन

महाभारत युद्ध के दौरान बर्बरीक ने अपनी माता से युद्ध में शामिल होने की इच्छा जताई। तब उनकी माता ने सोचा कि कौरवों के पास पांडवों के मुकाबले अधिक सेना और योद्धा हैं। तब उन्होंने अपने पुत्र को यह कहते हुए युद्ध में जाने की अनुमति दी कि वह युद्ध भूमि में हारे का सहारा बने। तब बर्बरीक ने अपनी माता को वचन दिया था कि वह हारे हुए का साथ देंगे।

भगवान श्रीकृष्ण ने एक ब्राह्मण भेष धारण किया और बर्बरीक के पास गए। उन्होंने बर्बरीक को रोककर कहा कि तुम केवल तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आए हो। इसपर बर्बरीक ने जवाब दिया कि मेरा एक बाण भी शत्रु सेना को परास्त करने के लिए काफी है। शत्रुओं का संहार करने के बाद मेरा बाण वापस तूषीर में ही आ जाएगा। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें चुनौती



देते हुए एक पीपल के पेड़ की ओर इशारा करते हुए कहा कि तुम अपने बाण से इस वृक्ष के सभी पत्तों को भेदकर दिखाओ। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार करते हुए एक बाण निकाला और

पेड़ के पत्तों की ओर चलाया। बाण ने पलभर में ही पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया।

इसलिए मांगा शीश का दान

लेकिन इस दौरान भगवान ने एक पत्ता अपने पैर के नीचे छुपा लिया था, इसलिए बाण उनके पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। तब बर्बरीक ने कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिए। तब कृष्ण जी ने उससे पूछा कि तुम युद्ध में किसका साथ दोगे। इसपर बर्बरीक ने अपनी मां को दिए हुए वचन को दोहराया और कहा कि मैं हारे का सहारा बनूंगा। उस समय युद्ध भूमि में स्थिति बिल्कुल उलट थी, पांडव, कौरवों की सेना पर भारी पड़ रहे थे। तब भगवान श्रीकृष्ण को लगा कि कौरवों को हारते हुए देखकर बर्बरीक कहीं उनका साथ न दे दे। तब भगवान श्रीकृष्ण ने दक्षिणा के रूप में बर्बरीक जी से उनके शीश का दान मांगा, ताकि वह युद्ध में भाग न ले सकें।

भगवान कृष्ण ने दिया ये आशीर्वाद

बर्बरीक ने बिना किसी संकोच के अपना सिर श्रीकृष्ण के चरणों में अर्पित कर दिया। बर्बरीक जी से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें आशीर्ष दिया और प्रसिद्धि मिलेगी। साथ ही यह भी कहा कि तुम्हें मेरे नाम से पूजा जाएगा। इसलिए आज बर्बरीक जी खाटू श्याम के रूप में जाने जाते हैं।

किस मूलांक पर बरसती है केतु की कृपा? अचानक मिलता है किस्मत चमकाने का मौका

हर मूलांक का संबंध एक खास ग्रह से होता है, जिसका जातक के व्यक्तित्व और करियर पर भी जरूरी रूप से प्रभाव पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस मूलांक का संबंध केतु से होता है और जातक पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।
किस मूलांक को मिलती है कृपा
जिन लोगों का जन्म किसी महीने की 7, 16 या 25 तारीख को होता है, उनका मूलांक 7 होता है। इन

मूलांक के स्वामी ग्रह केतु हैं। केतु को एक रहस्यमयी और आध्यात्मिक ग्रह माना जाता है। ऐसे में इसका प्रभाव मूलांक 7 के जातकों पर भी पड़ता है। इस जातकों को जीवन में किस्मत चमकाने का अचानक से कोई बड़ा मौका मिलता है।

कैसा होता है स्वभाव
मूलांक 7 के लोग स्वतंत्र विचारों



वाले होते हैं। साथ ही यह लोग रहस्यमयी होने के साथ-साथ जातकों की आर्थिक स्थिति को

असामान्य व्यक्तित्व के मालिक भी होते हैं। इनकी एक खासियत यह होती है कि यह कभी भी शांत नहीं बैठते और हमेशा कुछ-न-कुछ सोचने में लगे रहते हैं। साथ ही इन्हें यात्रा करने का भी काफी शौक होता है। यह किसी से डरते नहीं हैं और खुलकर अपनी बातों को सामने रखते हैं। मूलांक 7 के जातकों की आर्थिक स्थिति को

सामान्य कहा जा सकता है। क्योंकि राहु को एक आध्यात्मिक ग्रह माना गया है, ऐसे में इस मूलांक के लोग दान-पुण्य में अधिक खर्च करते हैं। अगर इसने वैवाहिक जीवन की बात की जाए, तो वह खुशहाल बीतता है। इनके दोस्त कम ही बनते हैं, लेकिन जिससे भी यह लोग दोस्ती करते हैं, उसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाते हैं। ये लोग अपनी महत्तन के दम पर जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल करते हैं।

वास्तु के अनुसार घर में कौन-से पौधे लगाएं कौन-से नहीं?

पेड़-पौधे लगाना केवल घर की सजा-सज्जा को ही बढ़ावा नहीं देता, बल्कि यह घर में पॉजिटिविटी भी बढ़ाता है। लेकिन आपको इसके फायदे तभी मिल सकते हैं, जब आप वास्तु नियमों का ध्यान रखें। जहां वास्तु के अनुसार, कुछ पौधे शुभ माने जाते हैं, तो वहीं कुछ पौधे अशुभ भी होते हैं।

जरूर लगाएं ये पौधा

तुलसी का पौधा लगभग हर हिंदू परिवार में पाया जाता है। केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि वास्तु की दृष्टि से भी इस पौधे का काफी महत्व है। वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार तुलसी का पौधा हमेशा घर की पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसे भूलकर भी घर की दक्षिण दिशा में न लगाएं, वरना इससे आपको नकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं।

ये पौधा भी है शुभ

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट का पौधा भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। यह पौधा धन, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इसे वास्तु के अनुसार



आग्नेय कोण यानी घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को आर्थिक लाभ मिल सकता है।

समस्याओं से मिलेगी मुक्ति

वास्तु की दृष्टि से स्नेक प्लांट का पौधा भी काफी शुभ माना जाता है। यह पौधा घर की हवा को शुद्ध करने का भी काम करता है और नकारात्मकता को दूर रखता है। इस पौधे को रखने के लिए घर का दक्षिण, पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा को सही माना गया है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली

समस्याओं दूर हो सकती हैं।

भूल से भी न लगाएं ये पौधे

वास्तु शास्त्र में कांटेदार पौधों को घर के अंदर लगाना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। इस तरह के पौधे को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। इसी के साथ वास्तु शास्त्र में ऐसे पौधे भी घर में लगाना शुभ नहीं माना गया, जिनमें से दृढ़ जैसा पदार्थ निकलता हो। इससे भी परिवार में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं ये पौधे, माहौल रहता है खुशनुमा

कई पेड़-पौधे न केवल घर की सुंदरता बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि यह वातावरण को भी शुद्ध करने का काम करते हैं। वास्तु शास्त्र में कई ऐसे पेड़-पौधों का जिक्र किया गया है जिन्हें घर में रखने से पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित होती है, जिससे व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

तुलसी का पौधा

हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाली तुलसी को कई मायनों में खास माना गया है। ऐसे में यदि आप वास्तु के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा रखते हैं, तो इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। वास्तु शास्त्र में तुलसी को रखने के लिए उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा को बेहतर माना गया है। ऐसा करने से नेगेटिव एनर्जी घर से दूर बनी रहती है।

मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट के पौधे का भी खास महत्व माना गया है। इस पौधे को



धन-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में यदि आप घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर का माहौल भी अच्छा बना रहता है। आप चाहें तो इस पौधे को मुख्य द्वार के पास भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर

में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता।

शमी का पौधा

हिंदू धर्म में शमी के पौधे को शनिदेव से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी इस पौधे को अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसे में यदि आप इस पौधे को घर में लगाना चाहते हैं, तो इससे लिए दक्षिण दिशा बेहद ही शुभ मानी गई है। ऐसा करने से आपको शनि की दशा में भी राहत मिल सकती है।

बांस का पौधा

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि बांस के पौधा भी सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, जिससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। वास्तु के अनुसार, इस पौधों को घर की उत्तर दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

घर में ये स्नेक प्लांट लगाने से मिलते हैं ये फायदे, बनी रहेगी सकारात्मकता,रोजगार में भी होगी तरक्की



वास्तु के अनुसार घर में पौधा लगाने से वातावरण साफ और पॉजिटिव माना जाता है, इसलिए कई प्रकार के पेड़-पौधों को घर में अंदर और बाहर लगाया जाता है। वैसे तो सभी पेड़-पौधे कुछ ना कुछ फायदे देते हैं, लेकिन स्नेक प्लांट अलग लाभकारी माना जाता है। स्नेक प्लांट घर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। इसको लगाने से घर के सभी सदस्यों के मन में शांति आती है, इसलिए इसे घर के अंदर और बाहर रखा जाता है। इसके अलावा स्नेक प्लांट को घर की तिजोरी के पास रखने से तंगी से छुटकारा मिलता है और एयर प्यूरीफायर करता है। यदि आपके घर में लक्ष्मी का अभाव है और कर्ज में डूबा है, तो अपने घर या ऑफिस के

डेस्क पर इसे लगा सकते हैं, क्योंकि आने वाले हर कार्य को पॉजिटिव करता है। वैसे तो टेंशन और नकारात्मक इंसान की दोस्त बन रही है, इसलिए सकारात्मक माहौल रखने के लिए इसे रखें।

स्नेक प्लांट के बैनेफिट

स्नेक प्लांट को घर के बाहर या बगीचा दोनों में रख सकते हैं। इसकी खूबसूरती घर को यूनिक माहौल में ढाल देती है। जांब करते हैं, तो आपके ऑफिस के डेस्क पर इसे लगाएं या फिर घर पर वर्क फॉर होम का काम करते हैं और करियर में तरक्की चाहते हैं, तो यह कारगर रहेगा। आस-पास का वातावरण शुद्ध करेगा और घर का पॉल्यूशन हटा देगा।

उगाओ स्नेक पौधा का यह खूबसूरत डिजाइन सेल्फ वॉटरिंग के साथ बनाया गया है, जिसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है। इनडोर और आउटडोर के लिए उत्तम है।

घर में कलेश रहता है या आए दिन दुखी संदेश मिलता है, तो स्नेक प्लांट को घर लगा सकते हैं। इसे आप किचन में, खिड़की के पास, अपनी डाइनिंग टेबल पर, काम करने वाले डेस्क पर रख सकते हैं, जिससे ये वातावरण को पॉजिटिव रख सके। ये स्नेक प्लांट बैनेफिट में एयर प्यूरीफायर भी एक लाभ है। घर का माहौल प्रदूषित है, हवा जहरीली है, तो इसे लगाएं, क्योंकि यह एयर को क्लीन करता है। इसका आकार दिखने में जितना शक्तिशाली है, काम भी

उतना प्रभावशाली है।

स्नेक के पौधे विषैले वायु प्रदूषकों को हटाने में मदद करने की अपनी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं। छोटे योगदानों में, साँप के पौधे कैसर पैदा करने वाले प्रदूषकों को अवशोषित कर सकते हैं, जिनमें शामिल हैं, सीओ2 बेंजीन फॉर्मल्डिहाइड जाइलीन ट्राइक्लोरोएथिलीन टोल्युनि हानिकारक विषाक्त पदार्थों को अवशोषित करने और निकालने की क्षमता रखते हैं।

यह घर के पौधे कहीं भी रख सकते हैं। जहां रख दो, वहां दिखने में काफी सुंदर लगते हैं। हरियाली होने के साथ हाने वाले सभी काम भी शुद्ध कर देते हैं। ऑर्गेनिक होने के साथ ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती है। अगर आपके

घर में नमी रहती है, या फिर आप ज्यादा देखभाल वाले पौधे नहीं लेना चाहते हैं, तो भी स्नेक प्लांट को घर ला सकते हैं, क्योंकि यह नमी को सोख लेता है और बार-बार पानी देने की दिक्कत नहीं करता है।बालकनी या गार्डन की साज-सज्जा के लिए भी स्नेक प्लांट बैनेफिट माने जाते हैं। यह प्लांट एक पोट के साथ आता है। अगर आपको बड़ा पोट चाहिए, तो भी आपको आसानी से स्टैलिश डिजाइन के पोट भी यहां मिल सकते हैं। टेंशन भरी लाइफ को भगाने के लिए स्नेक प्लांट बढ़िया माना जाता है। स्ट्रेस को दूर रखता है, घर का माहौल पॉजिटिव रखता है, दिखने में खूबसूरत लगता है और मानसिक बीमारी को दूर करता है।



अनमोल वचन

‘सृजन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं।

कालिदास
 वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

संम्पादकीय

किसी भी प्रकार की आतंकी कार्रवाही को अब एक्ट

आफ़ वार मानकर उसका जवाब दिया जाएगा

वैश्विक स्तरपर दिनांक 10 मई 2025 को जहां एक ओर चौथे दिन भी भारत पाक के बीच ड्रोन मिसाइल इत्यादि से वार पलटवार या एक तरह से युद्ध शुरू था तो दोपहर करीब 3:30 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक्स; पर लिखा कि शाम 5 से भारत-पाक के बीच सैन्य गतिविधियां रोकने की आपसी सहमति हो गई है, जिसे सुनकर भारत सहित पूरी दुनियाँ स्तब्ध रह गई, क्योंकि सभी को यह उम्मीद थी कि इस बार भारत लास्ट बार सबसे भारी जवाब देगा व पीओके को वापस लेकर ही दम लगा परंतु सीजफायर के ऐलान से जहां एक ओर आम जनता हैरान व मायूस हुई तो दूसरी ओर यह बात किसी को समझ में भी नहीं आई ऐसे हुआ तो क्यों और कैसे फिर ऐसी क्या कमी थी भारतीय ताकत में किसी सीजफायर के लिए राजी होना पड़ा? इसी प्रश्न के उत्तर में मेरा मानना है कि यह किसी आगे की रणनीति का हिस्सा होगी या फिर अमेरिका के दबाव तंत्र से युद्ध को हटाने के लिए यह फैसला लिया गया होगा परंतु कुछ भी सफाई दी जाए, यह बात आम आदमी के कलक से नहीं उतरेगी कि आखिर ऐसी क्या कमियां थी कि सीजफायर के लिए राजी होना पड़ा? चूँकि भारत का आगाजु, किसी भी प्रकार की आतंकी कार्रवाई को अब एक्ट अवफार मानकर उसका जवाब दिया जाएगा तथा भारत पाक युद्ध विराम आपसी सहमति नीति समझ नहीं आई – रणनीति या अमेरिकी दबाव तंत्र- सैन्य कार्रवाई विराम बाद भी पाक ड्रोन की खेप बरसाई, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, यह कैसा चीज फायर सभी सैन्य गतिविधियां रोकने की आपसी सहमति के 3 घंटे भीतर सीजफायर का घोर उल्लंघन? ड्रोन हमले जोरदार जारी! साधियों बात अगर हम भारत पाक सीजफायर की आपसी सहमति की करें तो, सीजफायर की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद जम्मू-कश्मीर में फिर से ड्रोन हमलों की खबर सामने आई है, एलओसी पर भी पाकिस्तान की ओर से फायरिंग हुई, ऐसे में पाकिस्तान सीमा से सटे कई शहरों में ब्लैक आउट की घोषणा की गई है, सीजफायर की घोषणा से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन पाकिस्तान की ओर से फिर से नापाक हरकतें शुरू हो गई हैं। सीजफायर के बाद पाकिस्तान का फिर से ड्रोन अटैक,अग्रडेस (1) पाकिस्तान से लगती सीमा पर लगातार फायरिंग की खबर सामने आई है। (2) पाकसीमा से सटे कई शहरों में ब्लैकआउट घोषित किया गया है। (3) श्रीनगर में ड्रोन अटैक हुआ है, जिससे कार्रवाई सुने गए। पंजाब के पठानकोट में पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (4) श्रीनगर में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका है. सामने आए एक वीडियो में धमाकों की आवाज सुनी जा सकती है। (5) राजस्थान के जैसलमेर में पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (6) राजस्थान के बाड़मेर शहर में भी पूरी तरह से ब्लैकआउट लागू कर दिया गया है। (7) उधमपुर में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन को रोका गया. धमाकों की आवाज सुनी जा सकती है। (8) राजस्थान के बाड़मेर जिले में भी धमाकों की आवाज सुनी गई है. यहां भी सुरक्षा बल पूरी सुसैदी से पाक की हर कोशिश को नाकाम करने में जुटे हैं। (9) पाकिस्तान की ओर से हो रहे ड्रोन अटैक और गोलीबारी का भारत का एयर डिफेंस सिस्टम और बीएसएफ लगातार जवाब दे रही है। (10) श्रीनगर में बीते 15 मिनट से ड्रोन अटैक को एक्टिविटी बंद हो गई है। हालांकि अभी सीमा से सटे कई अन्य इलाकों से माहौल तनावपूर्ण ही है। (11) गुजरात के कच्छ में तत्काल प्रभाव से ब्लैकआउट घोषित किया गया है. सभी नागरिकों से इसका सख्ती से पालन करने को कहा गया है। (12) पंजाब के पठानकोट में रात को ड्रोन देखे गए. यहां लगातार सायरन भी बजा. इसके बाद पठानकोट, अमृतसर, बरनाला, बठिंडा, होशियारपुर, फाजिलका और फिरोजपुर में दोबारा ब्लैकआउट कराया गया है। अल्लेखनीय है कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया था कि शनिवार शाम पांच बजे से सीजफायर लागू हो गया है, लेकिन हमले तीन चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की, जम्मू कश्मीर के मुल्लायी उपर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट लिखते हुए सीजफायर पर सवाल उठाए, उन्होंने लिखा- जम्मू-कश्मीर में कोई सीजफायर नहीं है, श्रीनगर के बीचोबीच एयर डिफेंस यूनिट को एक्टिवेट कर दिया गया है।हालांकि एक घंटे की हलचल के बाद ड्रोन अटैक को घटनाओं थम गई है, एलओसी पर फायरिंग भी बंद हो गई है. सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से कुछ ड्रोन आए थे, जिन्हें इंटरसेप्ट करने के लिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम मुस्तैद थी, हालांकि पाकिस्तान की ओर से आए ये ड्रोन कुछ ही देर बाद वापस लौट गए थे। ऐसी जानकारी मीडिया में आई। साधियों बात अगर हम भारत-पाकिस्तान युद्ध का सीज फायर कैसे हुआ इसको जानने की करें तो,शनिवार सुबह तक एक दूसरे पर मिसाइलें बरसा रहे भारत और पाकिस्तान ने शनिवार शाम होते होते अमेरिका से आए संघर्ष विराम के संदेश की पुष्टि कर दी, दोनों देशों के तुरंत प्रभाव से हथियार थामने का ऐलान असल में हजारों किलोमीटर दूर वाशिंगटन से आया।शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर सोशल पर लिखा, अमेरिकी की माध्यम्यता में रात में बहुत देर तक हुई बातचीत के बाद, पुझे यह एलान करते हुए खुशी है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और त्वरित संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं।कामियाँ सेंस और जबन की बुद्धिमत्ता दिखाने के लिए दोनों देशों को बधाई, इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए आपका शुक्रिया.अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान के फौरन बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, पाकिस्तान और भारत तुरंत प्रभाव से संघर्ष विराम पर समहत हो गए हैं, पाकिस्तान हमेशा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास करता रहा है, वो भी अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर समझौता किए बिना.इसके कुछ देर बाद, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने भी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, यह तब हुआ है कि दोनों पक्ष, जमीन, हवा और समुंदर में हर तरह की फायरिंग और सैन्य कार्रवाई बंद करेंगे।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी । हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची । उन्होंने लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर व भेटकों और केवल राजमहल से भिक्षा लिखा करें । राजा ने इसी बहाने उनकी दरिद्रता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत राज राजमहल आने लगे । उन्होंने भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दित दिए जाते थे । राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खाली संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं । कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे । एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे । राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहाँ से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं । राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपको दरिद्रता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए । उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी ।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना



जब भारत ने पाकिस्तान

को सबक सिखाकर कड़ा

संदेश दे दिया तो संघर्ष

विराम को एक समझदारी

भरा फैसला ही माना

जायेगा। यदि पाकिस्तान ने

फिर आतंकवादियों को

मदद-हथियार देकर भारत

पर हमले करवाये तो

उसकी हर हरकत का

जवाब पहले से ज्यादा

ताकतवर, विनाशकारी एवं

विध्वंसक होगा। शनिवार

को हुए समझौते के कुछ

ही घंटों के बाद सीज़

फायर के अतिक्रमण ने

बता दिया कि पाकिस्तान

में चुनी हुई।

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को ज़्यादा के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज़्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएमए स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बड़प्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों को ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी



इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की ध्वजियां उड़कर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता। सीजफायर की कहानी 9–10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों के विनाश और सैकड़ों आतंिकियों की अर्थाँ एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया उसके बारे में क्या कहा ही कहा जाए।

पाकिस्तान की सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी-बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में है। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए, या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और साराभित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्टवृत्ति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिए हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिये हैं, वो अगर पूर्व में दिए गए होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा। और हमारे सैनिक चाहेकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया

है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम ही है।

साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंतोत्पाल्ता पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजेलों ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। लेकिन भारतीय सेना की ब्रीफिंग और प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की हवा निकाल दी।

एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा फेरी से न जाए। और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसने आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा।

पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम हैं, जो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए।

जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंगंत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में आतंकवाि फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका,

यूरोप, तुर्किये और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध को अपने खूब लाभ उठाया। अमेरिका ने उसका पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर ओसां और अमेरिका को पता नहीं लाने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा।

इसमें कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वादा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेंगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिए हैं, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था। उसे फिर से तैयारी का अवसर चाहिए था। फिर से आतंकवादी गतिविधियों की रणनीति बनाने का समय और मौका चाहिए था। उसे तीन वस्तुओं की आवश्यकता थी। समय, पैसा और हथियार। और उसको ये तीनों चीजें संघर्ष विराम ही दिला सकता था। और उसे संघर्ष विराम मिल चुका है।

विश्व में पाकिस्तान की ही नहीं, अमेरिका की छवि धोखेबाज देश की है। विश्व भर में उसकी धोखेबाजी के किस्सों की लंबी सूची है। और जहां तक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की है। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव होगा, संघर्ष होगा, अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की ओर होगा। अमेरिका को भारत की जरूरत है, चीन पर नियंत्रण के लिए। जब तक ये जरूरत नहीं थी तब तक अमेरिका भारत का विरोध ही करता रहा। मेरा मानना है कि संघर्ष विराम की घोषणा करके भारत अपनी शराफत में मारा गया। भारत अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा विश्वास के कारण मारा गया।

सैन्य ठिकानों पर ब्रम्होस-ए क़रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलाारी और स्कॉर्ड एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से एलोन देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु को बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू होते ही पाक स्थित बहालवारपुर, मुरीदके व मुजफ्फरबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिटा दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन-सिंदूर’ की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिस्तरतनें ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली को मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो दृक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को भ्रमराह करता आया है। ताजा मामलों में भी वह झूठ फैला रहा है और भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है।

ऊर्जा संरक्षण में तकनीकी अहम भूमिका

मुकेश तिवारी

20 साल पहले तक जन सामान्य द्वारा 100 वाट के विद्युत बल्ब इस्तेमाल में आए जाते थे, लेकिन वर्तमान समय में बल्ब के स्थान पर 2–4–5 और 10 वाट की सीएफएल को इस्तेमाल में लिया जा रहा है क्योंकि 2–4–5और 10वाट की सीएफएल विद्युत बचत के साथ बालिक बच्चों से ज्यादा पर्याप्त मात्रा में रोशनी देती हैं। फ्रिज, कूलर, हो या वाशिंग मशीन या अन्य कोई भी जनसामान्य के उपयोग में लिया जाने वाला उपकरण सभी को पाकिस्तानी के इस्तेमाल से ऊर्जा कुशल बनाया जा रहा है। आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग से बने स्मार्ट मीटर से विद्युत इस्तेमाल का बेहतर निरीक्षण संभव हो सका है। रेलवे, ऑटोमोबाइल्स, उद्युयन इत्यादि में भी तकनीक के इस्तेमाल से ऊर्जा संरक्षण में इजाफा हुआ है। प्रौद्योगिक के इस्तेमाल से ऊर्जा संवहन को बेहतर बनाने का काम इन दिनों युद्द स्तर पर चल रहा है। जैसे आजकल ग्रीन स्विच , स्मार्ट एचवीएसी और स्मार्ट लाइटिंग तकनीको का भरपूर उपयोग किया जा रहा है।ग्रीनस्विच जहां सामान्य रिक्चों से काफी कम ऊर्जा से संचालित होते हैं, वहीं जल्दी गर्म भी नहीं होते।स्मार्ट एचवीएसी घरतु आवास अथवा कार्यालय के कित भाग में विद्युत खपत को सीमित करते हैं, और विद्युत का आवश्यक उपयोग पर रोकते हैं। स्मार्ट लाइटिंग गति सवेदको की मदद से ऊर्जा को खपत को काफी हद तक काम कर देते हैं।वर्तमान समय में तकनीकी उन्नति के प्रयास अपनी चरम सीमा पर हैं, और इसमें दिन प्रतिदिन इजाफा भी होता जा रहा है।आज तकनीकी का इस्तेमाल व्यक्तिगत, व्यावसायिक, प्रशासन और राजकीय सभी कार्यो में बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा रहा है।बड़े कारोबारी संस्थानो लेकिन आप करमें आधुनिक तकनीक का उपयोग स्वचालन के लिये हो रहा है, वहीं शासकीय संस्थानों आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन तकनीकी के प्रयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है।वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।मशीनों पर निर्भरता का सीधा मतलब है ऊर्जा का अतिरिक्त इस्तेमाल। निश्चित तौर पर तकनीक के उपयोग से यहां जनजीवन, व्यापार और प्रशासन में काफी सहूलियत हो रही है। वहीं दुर्लभ ऊर्जा स्रोत घटते जा रहे हैं। तकनीकी के इस्तेमाल के लिए ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग से भूमि, जल और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के ऊपर दबाव बढ़ता जा रहा है। बढती आबादी और संसाधनों के बढ़ते उपयोग के कारण पारंपरिक ऊर्जा के स्रोतों का तेजी से क्षरण हो रहा है।दिन प्रतिदिन मोटर गाड़ियां, रेलगाड़ी, हवाई जहाज इत्यादि की संख्या में द्रुत गति से इजाफा हो रहा है।कल कारखानों में भी मशीनों का

चौधरी देवीलाल की विवाहधारा मजबूती देने के लिए निरंतर जेजेपी के स जुड़ रही है। दिग्विजय ने कहा कि जेजेपी गुरु-शहरों में मजबूत संगठन खड़ा रही है और पार्टी आमजन से जुड़े मुद्दों गंभीरता से उठा रही है। जेजेपी में शामिल होने वाले में मुख्य रूप से युवा नेता ज खिलेरी, यश तनेजा, विकी सिंहा, प सचिन बेनीवाल, अजय ललौदा, स खिलेरी, नंदू पूनिया, महेश खिलेरी, बल खिलेरी, ओमप्रकाश गोदारा आदि हैं।

योगी कैबिनेट ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए पीएम और सेना के प्रति जताया आभार

लखनऊ, 15 मई।

योगी कैबिनेट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेनाओं के प्रति धन्यवाद जताते हुए अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय सेना द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के प्रति उत्तर प्रदेश की मंत्रिपरिषद एवं जनता की ओर से अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा



ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता और आतंकवाद के खिलाफ

अडिग रुख को प्रदर्शित किया है। मंत्रिपरिषद भारतीय सेना के शौर्य, साहस और प्रतिबद्धता को नमन करते हुए उनका हृदय से

अभिनंदन करती है। राष्ट्र की रक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों पर पूरे उत्तर प्रदेश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के सफल

क्रियान्वयन हेतु मंत्रिपरिषद राष्ट्र को यशस्वी नेतृत्व प्रदान करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करती है। संपूर्ण राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।

ये ऑपरेशन हमारी शक्ति, एकात्मकता और देश की रक्षा करने के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। लेकिन यह तभी संभव हो पाया है जब प्रधानमंत्री और केंद्रीय कैबिनेट ने सेना को खुली छूट दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के अतिरिक्त सभी राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्रियों स्वतंत्र प्रभार को आमंत्रित किया गया और उनकी मौजूदगी में ये प्रस्ताव सबसे पहले नंबर पर मंत्रिपरिषद ने पास किया।

यूपी के सभी जिलों में होगी सिविल डिफेंस की व्यवस्था

अभी केवल 15 जिलों में है सिविल डिफेंस

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।

भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव से देश ने सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत को महसूस किया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में सिविल डिफेंस व्यवस्था को स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। वर्तमान में केवल 15 जिलों में यह व्यवस्था कार्यरत है, लेकिन अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शेष 60 जिलों में भी इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सतर्क है। इसी दिशा में योगी सरकार ने सिविल डिफेंस को प्रदेश की सुरक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और संकट के समय प्रभावी राहत कार्यों को अंजाम देना है। प्रदेश भर में सिविल डिफेंस की व्यवस्था के लागू होने से न सिर्फ स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तंत्र मजबूत होगा, बल्कि बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षण और

रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। सिविल डिफेंस के तहत स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, और राहत कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो संकटकाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। योगी सरकार ने इस दिशा में कार्ययोजना तैयार कर ली है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी जिलों में सिविल डिफेंस की स्थापना के लिए संसाधनों और प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्था की जाए। साथ ही, जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। सिविल डिफेंस आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का मजबूत स्तंभ है। यह न केवल प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, और चक्रवात, बल्कि युद्ध या अन्य मानव-निर्मित संकटों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीते 7 मई को देशभर में नागरिक सुरक्षा को लेकर आयोजित माॅक ड्रिल में सिविल डिफेंस ने अपनी क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को सतर्क करने, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने में तत्परता दिखाई। सिविल डिफेंस के प्रशिक्षित कार्यकर्ता आपदा प्रबंधन, बचाव कार्य और राहत वितरण में विशेषज्ञता रखते हैं, जो संकटकाल में जीवन रक्षा के लिए आवश्यक है।

बहु विवाह का दुरुपयोग कर रहे हैं मुसलमान: इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 15 मई (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मुकदमे की सुनवाई करते हुए एक अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम युवक को एक से अधिक शादी तभी करनी चाहिए जब वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार करने की क्षमता रखता हो। इस्लामिक काल में विधवाओं और अनाथ की सुरक्षा के लिए कुरान में बहु विवाह की सशर्त इजाजत दी गई थी मगर आज के समय में पुरुष इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के मैनाटेर थाने में पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराई थी कि फुरकान जो कि पहले से शादीशुदा था, उसने इस बात को छिपाकर उससे शादी कर ली। पीड़िता ने फुरकान पर बलात्कार का आरोप लगाया था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद वर्ष नवंबर 2020 में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इसके बाद मुरादाबाद के जनपद न्यायालय से फुरकान एवं अन्य के खिलाफ सम्मन जारी किया गया। इस सम्मन को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता फुरकान एवं दो अन्य लोगों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की। याचिका में मांग की गई कि पुलिस की तरफ से दाखिल की गई चार्जशीट को कैश कर दिया जाए।



फुरकान के अधिवक्ता ने कोर्ट में कहा कि याची मुसलमान है और उसके खिलाफ आईपीसी 494 के अंतर्गत कोई अपराध नहीं बनता क्योंकि इस्लाम में इस बात का प्रावधान है कि मुस्लिम युवक चार शादी कर सकता है।

राज्य सरकार के अधिवक्ता की तरफ से इसका विरोध किया गया। उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद

अपने 18 पत्रे के फैसले में कहा कि यह स्पष्ट है कि याची फुरकान ने उससे दूसरी शादी की है। दोनों ही मुस्लिम महिलाएं हैं, इसलिए दूसरी शादी वैध है। याचियों के खिलाफ वर्तमान मामले में आईपीसी की धारा 376 के साथ 495 व 120 बी का अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने इस मामले में विपक्षी संख्या 2 को नोटिस जारी किया है। 26 मई 2025 से शुरू होने वाले हफ्ते में मामले की अगली सुनवाई होगी। इस मामले पर जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगले आदेश तक याचियों के खिलाफ किसी भी तरह के उत्प्रीड़नात्मक कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

गरीबों तक राशन पहुंचाने के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

उचित दर वितरण प्रणाली की मजबूती के लिए 179.42 करोड़ मंजूर

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर दे रही है। योगी सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत उचित दर वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए 179.42 करोड़ रुपए की बड़ी धनराशि स्वीकृत की है। यह धनराशि उठाई, धराई और अंतरराज्यीय संचालन से लेकर उपभोक्ताओं तक राशन सामग्री के सुचारु वितरण के लिए स्वीकृत की गई है, जो खाद्य एवं रसद विभाग की कार्यक्षमता को नई गति देगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29



करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के पात्र गृहस्थी राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है।

उपर्युक्त धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लिया गया है, जिसके अंतर्गत केंद्रांश और राज्यांश का अनुपात 50-50 रखा गया है। इस योजना का उद्देश्य राज्य भर में सार्वजनिक

वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सक्षम और व्यापक बनाना है, ताकि लाभार्थियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। इसमें अंतरराज्यीय परिवहन, भंडारण, सामग्री की लदान-उत्तरान, उचित दर दुकानों तक राशन की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था शामिल है। यह राशि खाद्य भंडारण एवं आपूर्ति श्रृंखला की बुनियादी संरचना को मजबूत करने के लिए खर्च की जाएगी, जिससे किसी भी स्तर पर खाद्यान्न वितरण में बाधा न आए।

इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा की जाएगी, जिन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि योजना पारदर्शी तरीके से लागू हो और इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। योगी सरकार ने निर्देश दिया है कि पूर्व में दी गई वित्तीय स्वीकृतियों और योजनाओं से कोई दोहराव न हो तथा हर तिमाही में आवश्यकतानुसार बजट का निर्धारण कर खर्च किया जाए। योगी सरकार गरीबों, जरूरतमंदों और अंतरिम पंक्ति के व्यक्ति तक राशन और पोषण पहुंचाने को लेकर पूरी तरह गंभीर है। योगी सरकार ने राशन वितरण में किसी भी तरह का घपला नहीं हो इसके लिए ई-केवाईसी और आधार सत्यापन प्रणाली लागू की है। इसके तहत राशन कार्डधारकों को अब देश के किसी भी उचित दर दुकान पर ई-केवाईसी कराने की सुविधा मिल रही है। राशन वितरण में ई-पास मशीनों के उपयोग ने पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इन मशीनों के जरिए अन्न का वितरण सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। यह तकनीकी नवाचार न केवल समय पर राशन उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा को भी मजबूत कर रहा है। पात्र

कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलो गेहूं और चावल दिया जा रहा है। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल (कुल मिलाकर 5 किलो) का फ्री में दिया जा रहा है। अंत्योदय कार्ड धारक को एकमुश्त 14 किलो गेहूं और 21 किलो चावल (कुल 35 किलो) दिए जा रहे हैं। बता दें कि योगी सरकार ने खाद्य एवं रसद विभाग के जरिए तकनीकी नवाचारों को अपनाया है। योगी सरकार की इस पहल से प्रदेश के करीब 15 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। अंत्योदय कार्ड धारकों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है, जो सबसे गरीब परिवारों को लक्षित करती है। सरकार का मकसद है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। इस योजना के तहत ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में राशन वितरण को प्रभावी बनाया गया है। योगी सरकार की यह कोशिश गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक मिसाल पेश कर रही है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर सपा नेता के विवादित बयान से हंगामा

रामगोपाल का बयान विकृत जातिवादी सोच, जनता देगी जवाब : योगी

सभी ने एक स्वर से कहा, पूरे समाज, देश और प्रदेश से माफी मांगे सपा नेता

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव द्वारा वीरांगना विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर दिए गए विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सीएम योगी ने सपा नेता के बयान को न केवल उनकी संकुचित सोच का प्रतीक बताया, बल्कि इसे भारतीय सेना के सम्मान और देश की अस्मिता के खिलाफ भी करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना की वर्दी जातिवादी चश्मे से नहीं देखी जाती है। भारतीय सेना का प्रत्येक सैनिक राष्ट्रधर्म निभाता है, न कि किसी जाति या मजहब का प्रतिनिधि होता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव द्वारा एक वीरांगना बेटी को जाति की परिधि में बांधना न केवल उनकी पार्टी की संकुचित सोच का प्रदर्शन है, बल्कि सेना के शौर्य और देश की अस्मिता का भी घोर अपमान है। सीएम योगी ने सपा की मानसिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह वही सोच है जो तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रभक्ति को भी बांटने का दुस्साहस करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता इस विकृत जातिवादी सोच का माकूल जवाब देगी।



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव द्वारा विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की प्रदेश सरकार के मंत्रियों व जनप्रतिनिधियों ने घोर निंदा की। भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है। सपा नेता अपने बयान के लिए पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगें। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि व्योमिका सिंह का अपमान हर भारतीय बेटी का अपमान है। व्योमिका सिंह केवल नाम नहीं, बल्कि भारत की गौरव, महिला सशक्तिकरण व नए भारत के उड़ान की प्रतीक हैं। जाति के आधार



पर वीरांगना का अपमान कर समाजवादी पार्टी ने अपनी नीच मानसिकता व महिला विरोध की सोच को उजागर किया है। रामगोपाल यादव का बयान शर्मनाक, निंदनीय व भारतीय वायुसेना के हर जवान का अपमान है। नए भारत में जन्म से नहीं, कर्म से पहचान होती है। जाति के आधार पर लोगों को बांटना समाजवादी पार्टी का पुराना शगल रहा है। विंग कमांडर व्योमिका सिंह को जाति के आधार पर नीचा दिखाने की कोशिश पूरे दलित समाज की प्रतिभा, परिश्रम व सम्मान पर हमला है। रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पर्दाफाश है, जो दलितों का सम्मान

नहीं करता, उन्हें सिर्फ वोट बैंक मानता है। हिंदुस्तान दलितों का अपमान स्वीकार नहीं करेगा। सपा को पूरे समाज, देश व प्रदेश से माफी मांगनी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा, वीरांगना सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह ने युद्ध को ब्रीफ कर भारत को गौरव का अनुभव कराया है। रामगोपाल यादव के बयान की घोर निंदा करती हूं। समाजवादी पार्टी कभी भीमराव आंबेडकर की फोटो से खिलवाड़ करती है तो कभी जाति के साथ खिलवाड़ करती है। देश के प्रति इनकी सोच अच्छी नहीं है। यह देश को जाति-धर्म में बांटना चाहते हैं। यह सिर्फ राजनीतिक रोटी सेकते हैं। सपा के लोग जान लें कि दलित समाज की बेटी भी वीरांगना हो सकती है, जो सरहद पर जाकर लड़ भी सकती है और देश का मान-सम्मान भी बढ़ा सकती है। ऐसी बेटी के लिए कहे गए शब्द घोर निंदनीय हैं।

कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा, सपा नेता का बयान प्रमाणित करता है कि इनके मन और जेहन में दलितों के प्रति नफरत भरी हुई है। व्योमिका सिंह मां भारतीय की बहादुर बेटी हैं। वह महिला सशक्तिकरण व सम्मान का प्रतीक हैं। मां भारती की दो बहादुर बेटीयों ने ऑपरेशन

सिंदूर की कार्रवाई को देश के सामने रखा। भारतीय सेना ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश का गौरव बढ़ाते हुए पुरुषार्थ को प्रमाणित किया है। सपा को यह बात पच नहीं रही है। आतंकवादियों को जी कहरक पुकारने और मुकदमा हटाने वालों से क्या ही उम्मीद की जा सकती है। व्योमिका सिंह का सम्मान पूरे देश व दुनिया में है। सभी जानते हैं कि आसमां की तरफ धूकने वालों का हथ क्या होता है। जनता सेना का मनोबल व सम्मान बढ़ाने के लिए तिरंगा यात्रा में शामिल हो रही है। दलितों के प्रति सपा की यह नफरत पहली बार नहीं दिखी है। दलितों का विरोध और अपमान सपा के डीएनए में है।

विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा, रामगोपाल यादव का बयान पीडीए की उस विकृत सोच का पर्दाफाश है, जो दलितों को सम्मान नहीं करता, बल्कि उन्हें सिर्फ वोट बैंक मानता है। सपा के डीएनए में दलित विरोध भरा है। कभी मंदिरों से दलितों को रोका गया तो कभी स्कूलों में पीटा गया। अब भारतीय वायुसेना की अधिकारी पर जातीय हमला किया गया है। दलितों का यह अपमान देश सहने वाला नहीं है। देश इसका जवाब देगा।

नकली दवा कारोबारियों पर हुई सख्त कार्रवाई

30 करोड़ 77 की नकली दवाएं जब्त, 68 गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के 1166

दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त हुए

06 दवा निर्माताओं और 05 ब्लड बैंकों के भी लाइसेंस निरस्त

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में नकली दवा कारोबार के खिलाफ सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग के संबंधित अधिकारियों ने समीक्षा बैठक में बताया कि वर्ष 2024-25 में 30 करोड़ 77 लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गई हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने इस अवधि में पूरे प्रदेश में 1039 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 13,848 नमूने संकलित किए गए। नकली दवा के कारोबार में संलिप्त पाए गए 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए गए, साथ ही 68 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। 06 दवा निर्माण इकाइयों और 05 ब्लड बैंकों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं साथ ही लगभग 30 करोड़ 77 लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गईं। जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है।

नकली दवाओं के साथ-साथ ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, नारकोटिक्स औषधियां और नकली कॉस्मेटिक उत्पाद भी जब्त किये गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग नकली दवा कारोबारियों और निर्माण कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस क्रम में विभाग के संबंधित अधिकारियों ने वर्ष 2024-25 में 463 दवा निर्माण इकाइयों, 647 ब्लड बैंकों और 10,462 विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

इस दौरान पूरे प्रदेश में 1039 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 13,848 नमूने संकलित किए गए। परीक्षण में 96 नमूने नकली और 497 अधोमानक पाए गए।

जिसके चलते नकली दवा के कारोबार में संलिप्त पाए गए 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए गये, साथ ही 68 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। 06 दवा निर्माण इकाइयों और 05 ब्लड बैंकों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं साथ ही लगभग 30 करोड़ 77 लाख रुपए की नकली दवाएं जब्त की गईं। जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है।



न्यूज़ ब्रीफ

टिम साउथी बने इंग्लैंड टीम के विशेषज्ञ कोशल सलाहकार



लंदन। न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउथी अब कोचिंग रोल में कदम रख चुके हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की है कि 36 वर्षीय साउथी को इंग्लैंड की पुरुष टीम के साथ विशेषज्ञ कोशल सलाहकार के रूप में जोड़ा गया है। वह अल्पकालिक आधार पर यह भूमिका निभाएंगे और भारत के खिलाफ रोयस टेस्ट सीरीज के समापन तक इंग्लैंड टीम के साथ रहेंगे। गौरतलब है कि टिम साउथी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और वह न्यूजीलैंड के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। अब वह अपने अनुभव के जरिए इंग्लिश गेंदबाजों को मार्गदर्शन देंगे। साउथी इंग्लैंड की टीम से जुड़ने से पहले टेंट ब्रिज में अगले हफ्ते जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू हो रहे रोयस टेस्ट से पहले खिलाड़ियों के साथ तैयारी करेंगे। सलाहकार के रूप में अपने कार्यकाल के बाद साउथी इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड टीम को भारतीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला में उनके अनुभव से काफी फायदा मिलने की उम्मीद है।

शेफर्ड और लिविंगस्टोन की आरसीबी में वापसी, प्लेऑफ से पहले टीम को मिला बूस्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रिवाइज्ड शेड्यूल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा फायदा मिला है। वेस्टइंडीज ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड और इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टोन टीम में दोबारा शामिल हो गए हैं। शेफर्ड के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और मेट्ट ड्वेन ब्रावो भी भारत लौटे हैं। वेस्टइंडीज बोर्ड की मंजूरी बाकी, शेफर्ड की उपलब्धता पर संस्पेस शेफर्ड वेस्टइंडीज की उस वनडे टीम का हिस्सा हैं जो 29 मई से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलेंगी। संयोग से यही तारीख आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की भी है। अब तक क्रिकेट वेस्टइंडीज ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि इंग्लैंड देर पर जाने वाले खिलाड़ी आईपीएल के बचे हुए मुकाबले खेल पाएंगे या नहीं। लिविंगस्टोन की वापसी, बेटेल दो मैचों के लिए उपलब्ध लियम लिविंगस्टोन अब आरसीबी से जुड़ चुके हैं। उन्हें इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया है, जिससे वे आईपीएल के अंत तक उपलब्ध रहेंगे। वहीं जैकब बेटेल पहले ही टीम से दोबारा जुड़ चुके हैं और केंकआर तथा सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले दो मैचों में खेलेंगे। इसके बाद वे इंग्लैंड लौट जाएंगे। उन्हें इंग्लैंड की जिम्बाब्वे के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में नहीं चुना गया है। फिल सॉल्ट पूरे सीजन के लिए उपलब्ध फिल सॉल्ट, जिनकी बीमारी के चलते बेटेल को डेब्यू का मौका मिला, अब पूरी तरह फिट हैं और आईपीएल के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध रहेंगे।

अरशद नदीम को लेकर नीरज चोपड़ा ने कहा- अब चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम के साथ अपने रिश्ते को लेकर बड़ा बयान दिया है। दोहा में होने वाले डायमंड लीग इवेंट से पहले गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब नीरज से पूछा गया कि क्या भारत-पाकिस्तान के मौजूदा हालात का असर उनके और अरशद नदीम के रिश्ते पर पड़ा है, तो उन्होंने बेहद संतुलित जवाब दिया। नीरज चोपड़ा ने कहा, सबसे पहले तो मैं यह साफ करना चाहता हूँ कि हमारे बीच कभी कोई बहुत मजबूत रिश्ता नहीं था, लेकिन अगर कोई मेरे से इन्जुअल से बात करता है तो मैं भी उसी तरह पेश आता हूँ। अब चीजें पहले जैसी नहीं रहेंगी। नीरज चोपड़ा ने इस महीने के अंत में बेंगलुरु में होने वाले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में अरशद नदीम को आमंत्रित किया था। हालांकि इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना भी हुई, खासकर मौजूदा हालात को देखते हुए। कई लोगों ने इसके समय और संदेश पर सवाल उठाए। हालांकि 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के आयोजकों ने बाद में सुरक्षा और व्यापक चिंताओं का हवाला देते हुए एक बयान जारी कर स्थगन की पुष्टि की।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए आईसीसी ने घोषित की रिकॉर्ड इनामी राशि

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के लॉर्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऐतिहासिक इनामी राशि की घोषणा की है। इस बार फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दोनों संस्करणों की तुलना में दोगुनी से अधिक है। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह एब्स आधिकारिक बयान में कहा, डब्ल्यूटीसी 25 फाइनल के विजेता को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जबकि उपविजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर पुरस्कार मिलेगा। चैंपियन टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी, जो 2021 और 2023 में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में बहुत अधिक है, जबकि उपविजेता टीम का पुरस्कार पिछले 80 लाख डॉलर से दोगुना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अंतिम मैच से 30 दिन पहले उरसाह बढ़ाने के लिए एक प्रचार वीडियो भी जारी किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, तेज गेंदबाज कगिसो रबादा, प्रोटेरियाज स्टार ऐडेन मार्कम, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ और ट्रेविंस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ियों जैसे शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीत के साथ डब्ल्यूटीसी 25 अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और लॉर्ड्स फाइनल के लिए पहली टीम बनी। इसके अलावा उन्होंने भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ की। दक्षिण अफ्रीका पहली बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट दो बार जीतकर इतिहास रचना चाहता है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हैं। यह हमारे लिए आईसीसी खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। सब कोई टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को समझता है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप इस खेल के इस महत्वपूर्ण प्रारूप को सही संदर्भ प्रदान करता है। लॉर्ड्स इस मेगा मुकाबले के लिए उपयुक्त स्थल है, और हम सब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेंगे। अब एक महीने से भी कम समय



स्पोर्ट्सटिकल ने लॉन्च किया 'चैंपियंस क्लब एलीट पास', उमरते एथलीटों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली। भारत के होनहार युवा खिलाड़ियों को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स टेक प्लेटफॉर्म स्पोर्ट्सटिकल ने 'चैंपियंस क्लब एलीट पास' की शुरुआत की है। यह पास सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो टॉप रैंक वाले खिलाड़ियों को देश के सर्वश्रेष्ठ संसाधनों, विशेषज्ञों और अवसरों से जोड़ता है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित खेल संस्थानों में से एक क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने इस एलीट पास को समर्थन देकर इस पहल को ऐतिहासिक बना दिया है। यह पहला अवसर है जब देश का कोई शीर्ष क्लब इस प्रकार के खेल विकास मिशन से जुड़ा है। सीसीआई का समर्थन सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि यह एक शक्तिशाली संदेश है कि भारत के शीर्ष क्लब अब अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। भारत के महान रिकेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी और यू.एस. स्कैश हॉल ऑफ फेम में शामिल अनिल नायर ने इस पहल की प्रशंसा की है। 28 बार के नेशनल चैंपियन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र अनिल नायर ने कहा, चैंपियंस क्लब एलीट पास विजेता खिलाड़ियों, क्लब सदस्यों और जूनियर्स — तीनों के लिए फायदे का सौदा है। इस तरह के सोशल इंटरैक्शन से खेल का प्रचार और क्लब की ब्रांडिंग दोनों में मदद मिलती है। यह शानदार विचार है। को-फाउंडर चेतन देसाई ने कहा, यह सिर्फ एक एंडोर्समेंट नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आह्वान है, ताकि हर क्लब खेल प्रतिभाओं के लिए सहयोगी बने। चैंपियंस क्लब एलीट पास इसके जरिए खिलाड़ियों के साथ-साथ क्लबों की साख भी ऊंची करता है।

बचा है और मुझे यकीन है कि दुनियाभर के क्रिके प्रेमी 11 जून को होने वाले मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कर्मिस ने कहा, हमें यह मौका मिला है कि हम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब लॉर्ड्स में बचा सकें, इस बात पर हमें बहुत गर्व

है। यह पिछले दो वर्षों में इस फाइनल तक पहुंचने के लिए किए गए कड़ी मेहनत का परिणाम है, जो हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम इंग्लैंड में कुछ ही हफ्तों में फिर से साथ होंगे और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

उत्तरी कैरोलिना में पीजीए गोल्फ चैम्पियनशिप

उत्तरी कैरोलिना में पीजीए गोल्फ चैम्पियनशिप में खेलते हुए रॉरी मैकलरॉय।

नेशनल कैप में वापसी से उत्साहित सेल्वम कार्ति ने कहा- अब लक्ष्य है टीम में जगह बनाना और मोल करना

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम तैयारियों में जुटी हुई है, जहां उनका मुकाबला नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी दिग्गज टीमों से होगा। इस अहम सीरीज से पहले भारतीय कैप में एक नाम फिर से चर्चा में है, फारवर्ड सेल्वम कार्ति, जिन्होंने करीब 9 महीनों बाद राष्ट्रीय सेटअप में वापसी की है। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय कार्ति ने आखिरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी



चेन्नई 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार वह 40 सदस्यीय कोर ग्रुप का हिस्सा हैं। वापसी को लेकर उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं नेशनल कैप में वापस आकर बहुत खुश हूँ, लेकिन मेरा असली लक्ष्य अंतिम टीम में जगह बनाना है। मैंने अकेले भी मेहनत की है और अब कैप में अपनी पूरी ताकत झोंक रहा हूँ ताकि भविष्य के बड़े टूर्नामेंट्स के लिए भी टीम का हिस्सा बन सकूँ। कार्ति ने पहले ही यूरोप में भारतीय टीम के साथ टूर किया है। वह कहते हैं, मुझे वहां खेलने का अनुभव है, लेकिन इस बार मैं सिर्फ प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहता हूँ। मेरा लक्ष्य है कि टीम के लिए अहम मौके पर गोल कर सकूँ और मैच जीतने में योगदान दूँ। नेशनल कैप में कोचिंग स्टाफ और

सीनियर खिलाड़ियों से बातचीत के बारे में कार्ति ने बताया, कोचों ने मुझे फिटनेस और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। मैं इन दोनों पहलुओं पर विशेष मेहनत कर रहा हूँ ताकि टीम में अपनी जगह पक्की कर सकूँ। आगामी प्रो लीग के मुकाबलों में भारतीय टीम का सामना कड़े विरोधियों से होगा। इस बारे में कार्ति ने कहा, नीदरलैंड्स ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट हैं और उनके खिलाफ मुकाबला आसान नहीं होगा। बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना जैसी टीमों भी तेज हॉकी खेलती हैं, लेकिन भारतीय टीम भी उसी अंदाज में खेलती है। हमारा फोकस रहेगा कि हम परिस्थितियों को समझकर मैच में अपनी रणनीति लागू करें। अंत में उन्होंने कहा, फिलहाल हम कैप में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं, साथ ही कुछ अतिरिक्त सेशन भी कर रहे हैं ताकि मैचों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मैं व्यक्तिगत रूप से भी अपने खेल को सुधारने पर ध्यान दे रहा हूँ।

आईपीएल 2025 : अब टीमों विदेशी खिलाड़ियों की जगह ले सकेंगी नए खिलाड़ी, लेकिन नहीं कर सकेंगी रिटर्न

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के अंतिम चरण से पहले बड़ा बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने घोषणा की है कि टीमों अब विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता की स्थिति में अस्थायी स्थानापन्न खिलाड़ी को शामिल कर सकती हैं। यह निर्णय उन खिलाड़ियों को अनुपस्थिति को देखते हुए लिया गया है जो या तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं, निजी कारणों या स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पा रहे हैं। आईपीएल टूर्नामेंट में भेजे गए आधिकारिक नोट में कहा गया है, जो खिलाड़ी इस समय से लिए जा रहे हैं, वे अगले वर्ष रिटर्न नहीं किए जा सकेंगे। उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी के लिए फिर से पंजीकरण कराना होगा।

12वें मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ने का नियम हुआ खत्म – सीजन की शुरुआत में जारी नियम पुस्तिका के अनुसार, कोई भी टीम अपने 12वें लीग मैच के बाद अस्थायी खिलाड़ी नहीं जोड़ सकती थी। लेकिन भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते टूर्नामेंट को 8 मई से निलंबित करना पड़ा, जिससे यह अपवाद स्थिति बन गई। इस अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, आईपीएल अधिकारियों ने नियमों में संशोधन कर दिया है।

कई विदेशी खिलाड़ी लौटे, कुछ नहीं होंगे वापस – धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबले के अगले दिन जब सुरक्षा कारणों से स्टेडियम खाली कराया गया और टूर्नामेंट को रोक दिया गया, तब से अधिकांश विदेशी खिलाड़ी अपने देशों को लौट चुके थे। हालांकि, आईपीएल के दोबारा शुरू होने पर अधिकांश विदेशी खिलाड़ी वापसी करेंगे, लेकिन जो खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का हिस्सा हैं या जिनके परिवार उन्हें भारत लौटने की अनुमति नहीं दे रहे, वे वापस नहीं आएंगे। इससे किसी भी टीम को नुकसान न हो, इसीलिए यह अस्थायी

विकल्प का रास्ता खुला गया है। **दिल्ली कैपिटल्स का उदाहरण** – इस नए नियम का पहला उदाहरण दिल्ली कैपिटल्स की टीम में देखने को मिला है, जहां मुस्ताफिजुर रहमान को जेक फ्रेजर-मैकगर्क के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब यह है कि रहमान को अगली सीजन के लिए रिटर्न नहीं किया जा सकेगा, लेकिन मैकगर्क को टीम में बनाए रखा जा सकता है। आईपीएल 2025 में नियमों में किया गया यह बदलाव संकट की स्थिति में लीग की लचीलापन और निष्पक्षता बनाए रखने का एक प्रयास है, जिससे हर टीम को बराबरी का मौका मिल सके।

रियल मैड्रिड की आखिरी पलों में जीत, बार्सिलोना की जश्न की उम्मीदों को झटका



नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सैंटियागो बर्नबेउ स्टेडियम में बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अंतिम समय में गोल दागकर आरसीडी मल्लोका को 2-1 से हराया और बार्सिलोना की ला लीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को फिलहाल के लिए टाल दिया।

बार्सिलोना की खिताबी उम्मीदों को लगा चिराग – इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने अंक तालिका में बार्सिलोना से फासला घटाकर 4 कर दिया है। अब यदि गुरुवार को बार्सिलोना अपने पड़ोसी क्लब एस्पान्योल को हरा देता है, तो वह खिताब अपने नाम कर सकता है। इससे पहले, रविवार को एल क्लासिको में बार्सिलोना के हाथों हार झेलने के बाद रियल मैड्रिड से पहले जन्मा दिखा रही है टीम मैड्रिड के कोच कार्लो अनचेलोटी सीजन के बाद ब्राजील की राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने जा रहे हैं। चोटिल खिलाड़ियों के चलते मैड्रिड की टीम इस मैच में विनोसियस जुनियर और रोड्रिगो जैसे खिलाड़ियों के बिना उतरी, लेकिन युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन जन्मा दिखाया।

किया गिरफ्तार स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने 20 के दशक की एक महिला और 40 के दशक के एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने झूठे गर्भावस्था दावे के जरिए सोन से पैसे ऐंठने की कोशिश की। मामले की जांच सियाोल के गंगमन पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। हालांकि पुलिस की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी अभी नहीं की गई है। **कोरिया में बेहद लोकप्रिय हैं सोन हुंग-मिन** – 32 वर्षीय सोन हुंग-मिन न केवल इंग्लैंड के प्रीमियर लीग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, बल्कि कोरिया की राष्ट्रीय टीम के कप्तान के तौर पर भी वे देश में बेहद सम्मानित और लोकप्रिय चेहरा हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार का मामला सामने आना उनके फैंस के लिए चौंका देने वाला है।



आएंगे, हम जानकारी साझा करेंगे। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सोन हुंग-मिन इस मामले में पूरी तरह से पीड़ित हैं। महिला और उसके सहयोगी को पुलिस ने



सरकार मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी सीमा शुल्क लगाएगी, मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां) ।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कर छूट के दुरुपयोग को रोकने के मकसद से वित्त मंत्रालय उत्पादों के एक नए वर्गीकरण में प्रमुख मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। सैमसंग इंडिया और नोकिया सॉल्यूशंस मामले में विवाद को देखते हुए सरकार इस नीति पर विचार कर रही है। असल में इन दोनों फर्मों ने ऐसी वस्तुओं के आयात पर शून्य शुल्क

लाभ का दावा किया है जिसे सरकार गलत वर्गीकरण मानती है। साल की शुरुआत में सैमसंग द्वारा कर से बचने के लिए रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के आयात को कथित तौर पर गलत तरीके से वर्गीकृत किए जाने के मामले में 52 करोड़ डॉलर का कर नोटिस भेजा गया था।

आरआरएच बेस स्टेशन का घटक होता है जिसका उपयोग मोबाइल टावरों में सिग्नल को प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है। कंपनी ने

कर विभाग के आदेश को मुंबई सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील पंचाट (सीईएसटीएटी) में चुनौती दी है।

उसका कहना है उत्पाद का वर्गीकरण उद्योग के मानदंड के अनुरूप है और अधिकारियों ने पहले इस पर सवाल नहीं उठाया था ऐसे ही एक अन्य मामले में नोकिया को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत मिली थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में नोकिया के खिलाफ एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के आदेश

को खारिज कर दिया था।

अथॉरिटी ने इसमें स्मॉल फॉर्म फैक्टर प्लगएबल (एसएफपी) ट्रांसीवर को पूर्ण दूरसंचार उपकरण के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा था जिस पर 20 फीसदी शुल्क लगाया जाता है। मगर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसएफपी कोई मशीन नहीं बल्कि नेटवर्क का हिस्सा है और उन्हें उन वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना सही है जिन पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट...

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समय सीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी।सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से संविधान को अनुच्छेद 200, 201, 361, 143, 142, 145(3) और 131 से जुड़े सवाल पूछे हैं। राष्ट्रपति का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट का उक्त फैसला राष्ट्रपति और राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों को कम करने की कोशिश करने वाला आदेश है। इसलिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में राय मांगी है। अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति को ये अधिकार देता है कि वो किसी बड़े कानूनी या सार्वजनिक महत्व के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट की राय ले सकते हैं। इसे प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भी कहते हैं। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को कुल 14 सवाल भेजे हैं। इन सवालों का जवाब देने के लिए सुप्रीम कोर्ट को कम से कम पांच जजों की एक संवैधानिक पीठ बनानी होगी। ये सवाल बहुत अहम हैं क्योंकि ये राष्ट्रपति और राज्यपाल के अधिकारों, उनकी भूमिका और कोर्ट की शक्तियों से जुड़े हैं। राष्ट्रपति ने ये भी कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201, जो बिलों को मंजूरी देने की प्रक्रिया बताते हैं, उनमें कोई ऐसा कोई नियम नहीं है जिसमें बिल को मंजूरी देने के लिए कोई समय-सीमा लिखी हो। न ही संविधान में डीमड असेंट जैसी कोई बात कही गई है।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 अहम सवाल पूछे हैं। उन्होंने पूछा है कि (1) जब राज्यपाल के पास बिल आता है, तो उनके पास क्या-क्या विकल्प होते हैं? (2) क्या बिल पर फैसला लेते वक्त राज्यपाल को मंत्रियों की सलाह माननी ही पड़ती है? (3) क्या राज्यपाल का फैसला कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है? (4) क्या संविधान का अनुच्छेद 361 कहता है कि राज्यपाल के फैसले को कोर्ट में नहीं ले जाया जा सकता? (5) जब संविधान में कोई समय-सीमा नहीं है, तो क्या कोर्ट ये तय कर सकता है कि राज्यपाल को कब तक फैसला लेना है? (6) क्या राष्ट्रपति का फैसला भी कोर्ट में चुनौती दी जा सकता है? (7) क्या कोर्ट ये बता सकता है कि राष्ट्रपति को बिल पर कब और कैसे फैसला लेना है? (8) अगर राज्यपाल कोई बिल राष्ट्रपति को भेजता है, तो क्या राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट से राय लेनी पड़ती है? (9) क्या बिल के कानून बनने से पहले कोर्ट उसमें दखल दे सकता है? (10) क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपाल के फैसले को बदल सकता है? (11) क्या बिना राज्यपाल की मंजूरी के विधानसभा से पास बिल कानून बन सकता है? (12) क्या संविधान कहता है कि बड़े कानूनी सवालों को पांच जजों की बेंच को भेजना जरूरी है? (13) क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत ऐसा आदेश दे सकता है जो संविधान या कानून के खिलाफ हो? (14) क्या केंद्र और राज्य सरकारों के बीच झगड़े सिर्फ अनुच्छेद 131 के तहत ही सुलझाए जा सकते हैं, या कोर्ट के पास और भी रास्ते हैं?

ये सवाल सिर्फ समय-सीमा तय करने की बात नहीं हैं। ये राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका, उनके अधिकारों और कोर्ट की शक्तियों के दायरे से जुड़े हैं। अब सुप्रीम कोर्ट को इन सवालों पर गहराई से विचार करना होगा और एक साफ राय देनी होगी। इस फैसले का अगर देश की संवैधानिक व्यवस्था और केंद्र-राज्य संबंधों पर भी पड़ सकता है। इसलिए ये मामला बहुत अहम माना जा रहा है।

पाकिस्तान को...

पहलगायम हमले पर विदेश मंत्री ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हमने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पेश किया था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सात मई को उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जवाबदेह ठहराया गया।

भारत अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये थोड़ी कठिन है। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। कोई भी व्यापार सौदा परस्पर लाभकारी होना चाहिए। यह दोनों देशों के लिए कारण होना चाहिए। व्यापार सौदे से हमारी यही अपेक्षा होगी। जब तक यि लाभकारी नहीं हो जाता,

इस पर कोई भी निर्णय जल्दबाजी होगी। होंडुरास दूतावास के उद्घाटन के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि अब हमारे पास होंडुरास का नया दूतावास है। यह उन देशों में से एक है जिन्होंने पहलगायम आतंकी हमले के समय मजबूत एकजुटता व्यक्त की थी। वैश्विक दक्षिण सहयोग के हिस्से के रूप में हमारे विकासात्मक अनुभवों का आदान-प्रदान करने की संभावना है। हमने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया। हम अब एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली स्थापित करने में लगे हुए हैं। इसका उद्देश्य आपदा के प्रति होंडुरास की तैयारियों को मजबूत करना है।एस जयशंकर ने कहा कि वैश्विक मंच पर हमारे सहयोग का संयुक्त राष्ट्र सहित कई देशों ने समर्थन किया है। हम विभिन्न बहुपक्षीय गतिविधियों में होंडुरास से प्राप्त निरंतर समर्थन को महत्व देते हैं। होंडुरास में भारतीय प्रवासी कम हैं, लेकिन यह जीवंत है और यह स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते है और साथ ही दोस्ती के जीवंत पुल के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत और होंडुरास के आर्थिक संबंध लगातार बढ़े हैं। वे व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग से मजबूत हुए हैं। द्विपक्षीय व्यापार आज 300 मिलियन डॉलर से थोड़ा अधिक है। हम होंडुरास को फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, ऑटोमोबाइल और मशीनरी निर्यात करते हैं और होंडुरास से कॉफी, लकड़ी और चमड़ा आयात करते हैं। यह वाणिज्यिक आदान-प्रदान कृषि, व्यवसाय, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य देखभाल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काफी संभावनाओं को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में होंडुरास के दूतावास के खुलने से व्यापार को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलेगी। व्यवसायियों को दूतावास को मैचमेकिंग के केंद्र के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जो अधिक फल गतिविधियों और जुड़ावों को शुरू करने के लिए संस्थागत समर्थन प्रदान करेगा। उन्होंने होंडुरास के प्रतिनिधियों का आभार जताया। विदेश मंत्री ने कहा, मैं सबसे पहले पहलगायम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले पर होंडुरास की एकजुटता को स्वीकार करता हूं। हम आतंकवाद के विरोध में आपकी सार्वजनिक प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं और इस तथ्य की भी कि यह ऐसी चीज है जो सभ्य दुनिया के किसी भी रूप में पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम आज अपने क्षेत्र में आतंकवाद से लड़ते समय आपके समर्थन और एकजुटता की बहुत सराहना करते हैं।

हमें अपनी सेना ...

के खिलाफ भारत द्वारा चलाई गई, अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई है। 35-40 वर्षों से भारत सरहद पार से चलाए जा रहे आतंकवाद का सामना कर रहा है। आज भारत ने पूरी दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। पहलगायम में आतंकवादी घटना को अंजाम देकर भारत के माथे पर चोट पहुंचाने का काम किया, भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने भारत के माथे पर वाज किया, हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, अपनी ज़मीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ न होने दे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने श्रीनगर एयरबेस का दौरा किया और जवानों से मुलाकात की। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद हैं। भारतीय वायु सेना के जवानों ने श्रीनगर एयर बेस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत के दौरान वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बादामी बाग छावनी में जवानों के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए। रक्षा मंत्री ने यहां जवानों को संबोधित किया।उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगायम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए। बौखलाए पाकिस्तान द्वारा भारत के सीमाई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश को भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया और उसका करारा जवाब भी दिया। भारत ने पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकाने ध्वस्त कर दिए। इस पर पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया। हालांकि, पाकिस्तान की तरफ से फिर इसका उल्लंघन किया गया, जिसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। आखिरकार पाकिस्तान को अपनी असमलियत का अंदाजा लग गया और चुप बैठ गया। भारत सरकार ने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध विराम शर्तों पर लागू हुआ है। जल संधि का स्थगन जारी रहेगा और आतंकवाद की किसी भी घटना को युद्ध मान कर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में...

ऑपरेशन में किसी भी जवान के घायल होने की खबर नहीं आई है। मणिपुर में जारी अशांति के बीच सेना की ये बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने ट्रुट किया, भारत-म्यांमार सीमा के पास चंदेल जिले के खेगजाँय तहसील के न्यू समतल गांव के पास सशस्त्र कैडरों की आवाजाही की खुफिया जानकारी मिली थी। असम राइफल्स इकाई ने 14 मई 2025 को एक ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान सैनिकों पर संदिग्ध कैडरों द्वारा गोलीबारी की गई। इस पर एक्शन लेते हुए 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया है और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। ऑपरेशन अभी भी जारी है। कुछ दिनों पहले भारत सरकार और भारतीय सेना ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए म्यांमार बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिया है और फ्री आवाजाही को बंद कर दिया गया है। हालांकि मणिपुर की दो अहम जातियां नागा और कुकी ने इसका विरोध किया था लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए ये करना जरूरी था। इसका असर भी दिखने लगा है और उग्रवादियों के मूवमेंट पर सेना आसानी से नजर बनाए रख पा रही है। पहले उग्रवादी मणिपुर में आतंक फैला कर म्यांमार भाग जाते थे। उग्रवादी काफी समय से भारत-म्यांमार वाले इलाके में जोलैंड के रूप में नया राज्य बनाना चाहते हैं।

लश्कर और...

तीन आतंकवादी मारे गए थे। उनमें से दो की पहचान शाहिद कुटे और अदान शफी के रूप में हुई थी, जो दोनों शोपियां के रहने वाले थे। कुटे 2023 में लश्कर में शामिल हुआ था और पिछले साल 8 अप्रैल को डैनिश रिसॉर्ट में हुए हमले में शामिल था, जिसमें दो जर्मन पर्यटक और एक ड्राइवर घायल हो गए थे। वह मई 2024 में हीरपोरा में एक भाजपा सरपंच की हत्या से भी जुड़ा था। शफी 2024 में शामिल हुआ था और शोपियां के वाची में एक गैर-स्थानीय कार्यकर्ता की हत्या में शामिल था।

15 दिन पाकिस्तान...

सरमा ने दावा किया कि चूँकि गोगोई की पत्नी और दो बच्चे विदेशी नागरिक हैं, इसलिए उनके भारत छोड़ने की पूरी संभावना है।

सीएम सरमा ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी एलिजाबेथ के पाकिस्तानी सेना के साथ काफी अच्छे संबंध हैं। एलिजाबेथ 19 बार पाकिस्तान की यात्रा कर चुकी हैं और पाकिस्तानी सेना के अधिकारी उनका शानदार स्वागत करते हैं। यह भी आरोप है कि गौरव गोगोई की ब्रिटिश मूल की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के एक गैर-सरकारी संगठन क्लाइमेट डेवलपमेंट एंड नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) और विवादास्पद अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से संबंध हैं। आरोप यह भी है कि कोलबर्न ने सी.डी.के.एन. के लिए पाकिस्तान, नेपाल और भारत में काम किया है और उससे वेतन भी लेती रही हैं। सीडीकेएन में एशिया का काम अली तौकीर शेख देखता है। अली तौकीर शेख पाकिस्तानी योजना आयोग का सलाहकार रहा है। आरोप है कि इसी शेख के जरिए एलिजाबेथ कोलबर्न आईएसआई से जुड़ी हैं। कहा जा रहा है कि एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में तौकीर शेख के साथ मिलकर काम किया है।पता चला है कि अली तौकीर शेख भारत के घरेलू मामलों में भी दखल देता है। यहां तक कहा जाता है कि विदेशी शक्तियों ने जॉर्ज सोरोस के कुछ लोगों के नेतृत्व में 2014 में असम कांग्रेस के एक बड़े फैसले को प्रभावित किया था। शायद इन सबको देखते हुए ही असम सरकार ने गत 16 फरवरी को राज्य के पुलिस महानिदेशक को भारतीय न्याय संहिता और अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत पाकिस्तानी नागरिक अली शेख के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। पूरे मामले की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया है। इस समय एसआईटी जांच चल रही है। मुख्य रूप से जांच यह कि जा रही है कि भारत में अली तौकीर शेख के संबंध किन-किन लोगों से हैं। गौरव गोगोई और उनकी पत्नी पर जो आरोप लगे हैं, वे बहुत ही गंभीर हैं। इसलिए लोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द इस मामले की जांच हो, ताकि लोगों को पता चले कि सच क्या है!

हजार से अधिक ...

को पकड़ा है। यह बांग्लादेशी घुसपैठिए राजस्थान के 17 जिलों से गिरफ्तार किए गए हैं। जयपुर रेंज से सबसे बड़ी संख्या में घुसपैठिए गिरफ्तार हुए हैं। सबसे अधिक गिरफ्तारियां सीकर में हुई हैं। सीकर से पुलिस ने 393 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार किए हैं। इम्रमें से अधिकांश ईट भट्टों पर काम कर रहे थे। राजस्थान में बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ने के बाद उन्हें जयपुर स्थित एक डिंटेशन सेंटर में रखा गया था। राजस्थान में 6 ऐसे डिंटेशन सेंटर बनाए गए हैं। जो घुसपैठिए अभी राजस्थान के भीतर बचे हैं, जल्द ही उन्हें भेजा जाएगा। बांग्लादेश सरकार को भी उसके नागरिकों के विषय में सूचना दी जा रही है। यह कार्रवाई 12 अप्रैल 2025 को पहलगायम में हुए आतंकी हमले के बाद चालू हुई थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य भर में घुसपैठिए ढूंढ़ने का आदेश दिया था। राजस्थान में इन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमों का भी गठन किया गया था। इन टीमों ने राजस्थान में लोगों की आईटी एवं उनके फोन तथा बैंक खातों की जांच करके नागरिकता का पता लगाया है। राजस्थान के अलावा भी

देश के बाकी राज्यों में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। इससे पहले असम के मटिया डिंटेशन कैंप में रखे गए 100 से अधिक रोहिंग्या भी वापस बांग्लादेश भेज दिए गए थे। इसकी पुष्टि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी की थी।

शौर्य का रंग...

मांग करने के लिए प्रेरित किया। एस-400 की तैनाती ने न केवल भारत के रक्षा ढांचे को मजबूती दी, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दिया।

ऑपरेशन सिंदूर में इजराइली हथियारों ने भी भारत की ताकत बढ़ाई। बराक-8 मिसाइल ने पाकिस्तान की फतह-11 मिसाइल को हरियाणा के सिरसा में रोका, जबकि हारोप ड्रोन ने लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर में इजराइल के बने अत्याधुनिक हथियारों का खूब इस्तेमाल हुआ, जिसने भारत और इजराइल की गहरी दोस्ती और रक्षा सहयोग को दुनिया के सामने दिखाया। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला करने और उनकी मिसाइलों व ड्रोनों को नाकाम करने के लिए इजराइल, रूस और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का शानदार इस्तेमाल किया। इस ऑपरेशन में भारत ने अपनी तकनीकी ताकत का परिचय दिया। भारत, इजराइल, अमेरिका, रूस और फ्रांस जैसे देशों से हथियार खरीदने वाला दुनिया का एक बड़ा देश है।ऑपरेशन सिंदूर में इजराइल के हारोप ड्रोन ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों पर सटीक हमले किए। इसे आत्मघाती या कामिकेज ड्रोन कहते हैं, जो रडार को खोजकर नष्ट करने में माहिर है। इन ड्रोनो ने पाकिस्तान के कई अहम ठिकानों पर हमला किया, जिसमें लाहौर की एक बड़ी वायु रक्षा सुविधा को तबाह कर दिया। भारत ने पुष्टि की कि उसकी मानवरहित हवाई प्रणालियों और वायु रक्षा ग्रिड ने कई पाकिस्तानी ड्रोन, हथियारों और मिसाइलों को नष्ट किया, जो पठानकोट और श्रीनगर जैसे 15 भारतीय वायुसेना ठिकानों को निशाना बना रहे थे। भारत ने 2009 से 2019 के बीच इजराइल से कम से कम 25 हारोप ड्रोन खरीदे, जो अब सक्रिय हैं और इस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज का हारोप ड्रोन और मिसाइल की खूबियों को विकसित किया गया है। यह वायु रक्षा इकाइयों और रडार जैसे बड़े लक्ष्यों को खुद खोजकर नष्ट कर सकता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटैजिक स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक, हारोप भारत की मानव रहित सटीक हमला करने की क्षमता का अहम हिस्सा है। हारोप एक सटीक आत्मघाती ड्रोन है, जिसे गहरे हमलों के लिए बनाया गया है। यह इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सीकर की मदद से अलग-अलग दिशाओं से लक्ष्य को पहचान सकता है और नौ घंटे तक हवा में रह सकता है। यह सैटेलाइट जैमिंग और युद्धक्षेत्र में मानवीय दखल के खिलाफ मजबूत है, जिससे मुश्किल हालात में भी यह काम करने में सक्षम बना रहा है। 50 पाउंड के वारहेड से लैस हारोप, कैमरा और ऑपरेंटर की मदद से चलते लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है या रेडिएशन सीकर से रडार साइट्स को खुद निशाना बना सकता है। अगर रडार पहले सक्रिय होकर बंद हो जाए, तो हारोप उसकी आखिरी जगह पर जाकर इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल तकनीक से उसे खोज कर नष्ट कर देता है। यह एंथ्रॉप और गतिशील दोनों तरह के जमीन पर मौजूद लक्ष्यों को निशाना बना सकता है।हारोप को ट्रक, मोबाइल प्लेटफॉर्म या नौसैनिक जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है और यह 600 किलोमीटर की दूरी या छह घंटे तक उड़ सकता है। इसे ऑपरेंटर नियंत्रित कर सकता है या यह पूरी तरह ऑटोमेटिक तरीके से भी काम कर सकता है। हेरॉन एमके-2 एक उन्नत मध्यम-ऊंचाई, लंबी उड़ान वाला ड्रोन है, जिसे इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। यह भारतीय वायुसेना और सेना की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में मदद करता है। नवंबर 2022 में भारतीय सेना ने दो हेरॉन एमके-2 शामिल किए, जबकि सितंबर 2023 तक पूर्वोत्तर में दो और तैनात किए। अगरस्ट 2023 में भारतीय वायुसेना ने चार और नवंबर में दो और खरीदे। यह ड्रोन 32,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है और 35,000 फीट तक जा सकता है। यह 40 घंटे से ज्यादा उड़ान भर सकता है, जिससे सीमा पर दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और खुफिया जानकारी जुटाने में बहुत प्रभावी है। इसकी पेलोड क्षमता 500 किलोग्राम है, जिसमें उन्नत सेंसर, कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरण लगाए जा सकते हैं।

यह ड्रोन दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, समय से चेतावनी देने और युद्ध क्षति का आकलन करने में अहम भूमिका निभाता है। इसकी ऊंची उड़ान और लंबी अवधि की क्षमता इसे ज्यादातर जमीन आधारित खतरों से दूर रखती है, जिससे यह भारतीय वायुसेना की रणनीतिक ताकत बन गया है। स्कूल स्ट्राइकर ड्रोन को इजराइल की एल्विट सिक्योरिटी सिस्टम्स ने भारत की अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज के साथ मिलकर बनाया है। इसे 2021 में भारतीय सेना में शामिल किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में इन ड्रोनो का इस्तेमाल हुआ। इसे लांयटरिंग म्युनिशन कहते हैं और इसे बेंगलुरु के पश्चिमी हिस्से में बनाया गया है।

यह ड्रोन मिसाइल की तरह हमला करता है, लेकिन

यूपवी की तरह उड़ता है। यह सटीक हथियार है, जिसे मैनुअल या स्वायत्त रूप से चलाया जा सकता है। यह लक्ष्य क्षेत्र में मंडरा कर लक्ष्यों को खोजता और नष्ट करता है। इसका कम शोर और कम ऊंचाई पर सीक्रैट तरीके से उड़ान इसे खुफिया कामों के लिए आदर्श बनाती है। इसकी रेंज 100 किलोमीटर है और इसमें 5 से 10 किलोग्राम का बम होता है। स्कूल स्ट्राइकर का इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन इसे सीक्रैट ऑपरेशनों के लिए बेहतर बनाता है। यह ऑपरेंटर द्वारा बताए गए लक्ष्यों को खोजकर उन पर हमला कर सकता है। जीपीएस या कनेक्टिविटी न होने पर भी यह सटीक हमले कर सकता है। अगर कोई लक्ष्य न मिले, तो यह ऑपरेंटर को सुरक्षित वापस लौटने या हमला रोकने की सुविधा देता है।

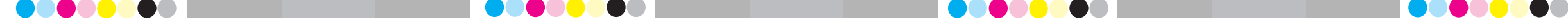
यह ड्रोन लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए किरायाती यानी सस्ता भी है और जमीनी सेना को एयर फायर मिशनों में मदद करता है। बालाकोट हमले के बाद भारतीय सेना ने इमरजेंसी खरीदी के तहत 100 स्काई स्ट्राइकर ड्रोन खरीदे। पाकिस्तान ने दिल्ली पर फतह-11 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, लेकिन भारत की बराक-8 मिसाइल रक्षा प्रणाली ने इसे हरियाणा के सिरसा में रोक दिया। बराक-8 को भारत और इजराइल ने मिलकर बनाया है। यह लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी रेंज 70 किलोमीटर है और इसे 100 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है।

बराक को डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने मिलकर संयुक्त रूप से विकसित किया। बराक का मतलब हिब्रू में बिजली होता है। यह मिसाइल मोबाइल लॉन्चर से नौसेना के जहाजों या जमीन पर इस्तेमाल हो सकती है। 275 किलोग्राम की यह मिसाइल 60 किलोग्राम का वारहेड ले जाती है, जो लक्ष्य के पास विस्फोट करता है। इसमें दोहरी पलर रॉकेट मोटर और थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल है, जो इसे मैक 2 की गति देता है। बराक-8 में दो तरफा डेटा लिंक, डिजिटल रडार, ठक्र सेंसर और सिस्टम वाइड कम्युनिकेशन जैसी आधुनिक तकनीक हैं। बराक-8 मिसाइल प्रणाली लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, क्रूज मिसाइलों, बैलिस्टिक मिसाइलों, एंटी-शिप मिसाइलों और मानव रहित हवाई वाहनों से सुरक्षा प्रदान करती है। इसका दूसरा संस्करण, एमआरएएसएम, एक भूमि-आधारित मिसाइल प्रणाली है, जिसमें मोबाइल लॉन्चर, ट्रैकिंग रडार, और कमांड और कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं।

सीकर, एंडगेम एविओनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी भारत में विकसित तकनीकों के साथ, प्रणेादर रॉकेट सिस्टम और थ्रस्ट वेक्टर सिस्टम सहित कुछ अन्य घटक डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित किए गए हैं। इस प्रणाली को भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 17 (ए) फ्रिगेट और विक्रमादित्य विमान वाहक नौका पर तैनात किया गया है, जिसमें रॉज 70 किलोमीटर तक है। इजराइल की स्पाइस-2000 किट आम बमों को सटीक रैटैंड-ऑफ हथियारों में बदल देती है, जो आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हैं और नागरिकों को कम नुकसान पहुंचाते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों से छोड़ा जाता है। इन्हें इजराइल की राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स की अमेरिकी इकाई ने बनाया है।26 फरवरी 2019 को बालाकोट हमले में भारतीय वायुसेना ने इन बमों का इस्तेमाल कर जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को नष्ट किया। चार बम छतों से इमारतों में घुसे और सटीक हमला किया। जब आतंकवादी सो रहे थे, भारतीय वायुसेना के विमानों ने पांच स्पाइस-2000 बमों को दागा, जिनमें से कम से कम चार बम छतों के जरिए इमारत में घुस गए। इस सटीक हमले के दौरान, भारतीय वायुसेना के विमानों ने अपने लक्ष्यों पर बम गिराने के बाद तुरंत अपने ठिकानों पर वापसी की।

2010 के दशक में भारत ने अपने विशेष बलों के लिए टैवोर एक्स-95 राइफलें शामिल कीं। बाद में इन्हें अन्य अर्धसैनिक बलों के लिए भी खरीदा गया। इजराइल वेपन्स इंडस्ट्रीज ने पुंज लॉयड रक्षा सिस्टम को इनके निर्माण का लाइसेंस दिया। भारतीय सेना के विशेष बल, नौसेना के माकोस, वायुसेना के गरुड़ कमांडो और सीमा सुरक्षा बल इन राइफलों का इस्तेमाल करते हैं। ये छोटी, बुलपअप डिजाइन वाली राइफलें नजदीकी लड़ाई के लिए बेहतर हैं। इन असॉल्ट राइफलों को पहले आयात किया जाता था, जो एक पूर्व इजराइली सरकारी कंपनी थी, जिसे 2005 में निजीकरण के बाद स्वामित्व में लिया गया था। बाद में, आत्मरक्षण भारत कायदाक्रम के तहत इन्हें भारत में उत्पादित किया गया और हाल ही में एयरो इंडिया 2021 में प्रदर्शित किया गया, जहां इन हथियारों पर मेड इन इंडिया का टैग लगा था।

ऑपरेशन सिंदूर में इजराइली हथियारों का इस्तेमाल भारत और इजराइल के बीच मजबूत रक्षा सहयोग का प्रतीक है। बराक-8, हारोप, हेरॉन एमके-2, स्काई स्ट्राइकर, स्पाइस-2000 और टैवोर एक्स-95 जैसे हथियारों ने भारत की सैन्य ताकत को बढ़ाया। यह दोस्ती न सिर्फ रक्षा क्षेत्र में, बल्कि तकनीक और रणनीति के आदान-प्रदान में भी गहरी होती जा रही है, जो दोनों देशों को और मजबूत बनाएगी।



भूदान पोचमपल्ली में तेलंगाना की सांस्कृतिक छटा का आनंद लिया



गोशामहल पीएस के एसएचओ श्रीनिवासुलु को
बजरंग सेना तेलंगाना ने किया सम्मानित



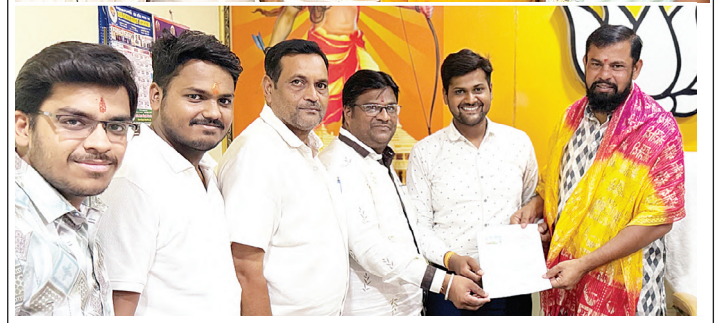
संक्षिप्त समारोह में नवनियुक्त एसएचओ को सम्मानित किया। सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार किया और ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। यह बैठक नागरिक समाज और कानून प्रवर्तन के बीच आपसी सम्मान और सहयोग का संकेत रही है।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद मानसरोवर शाखा के चुनाव सम्पन्न



मारवाडी युवा मंच पर्यंत शाखा सिकंदराबाद की अध्यक्ष शीतल जैन के नेतृत्व में छह का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम शाखा सदस्य प्रियंका फागनिया, अर्चना चौरडिया, लक्ष्म जैन और मिल्ता सोहनवाल कामदार की शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में रखा गया। अक्सर पर शाखा की सुनि सुनि घोड़ेला, मीना जैन, आशा कापरिया, अर्चना बोहरा, माया राठौर, पूरुष शर्मा, संतोष दाबी, भाग्यश्री दाबी, मुकुल दाबी, चंदो दाबी, योगिता, अर्चना चौरडिया, अनीता राठौर, सुरेखा गांधी, संजु सांखला, सीमा जैन, आरव जैन और शानी जैन का विशेष सहयोग रहा। शाखा की सहमती सुनीता इंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

तेलंगाना ने इंदिरा सौरा गिरि जला
विकासम योजना के तहत एसटी किसानों
के लिए 12,600 करोड़ मंजूर किए



गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा आगामी 18 मई (रविवार) को श्री समर्थ कान्धेनु गौशाला, जियायुड़ा में होने वाले श्री श्याम वार्षिकोत्सव में भाग लेने के लिए श्री श्याम मंदिर कारीगुड़ा के रामचरण महाराज एवं गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह को आमंत्रित करते हुए मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, सचिन कनोडिया, श्याम अग्रवाल, नमन कनोडिया।



के. प्रकाश को पुरानापुर मंडल भाजपा अध्यक्ष मनोनीत होने पर उनका सम्मान करते हुए भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र। साथ में हैं रणजीत सिंह, प्रकाश गौड़, सुधीर गौड़, कुणाल राव, के. नरेन, शशि, यशवंत एवं अन्य।

हैदराबाद मेट्रो रेल टिकट के दामों में बढ़ोत्तरी, 17 से लागू



हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ व्यूरो)। हैदराबाद मेट्रो रेल टिकट के दामों में बढ़ोत्तरी की गई है। बढ़ाये गये दाम 17 मई से लागू होने वाले हैं। हैदराबाद मेट्रो रेल ने घोषणा की है कि टिकट के कम से कम 10 रुपये टिकट कोषिका को बढ़ाकर 12 रुपये किया गया है। यह 12 रुपये पहले दो स्टार्फों के लिए होगा। इसके बाद 2 से 4 स्टार्फों के लिए 18 रुपये, 4 से 6 के लिए 30 रुपये, 6 से 9 के लिए 40, 9 से 12 के लिए 50, 12 से 15 तक 55 रुपये, 15 से 18 तक 60 रुपये, 18 से 21 तक 66 रुपये और 21 से 24 स्टार्फ तक 70 रुपये किया गया है। इसके बाद आने वाले स्टार्फों के लिए 75 रुपये कियाया रखा गया है।



राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को डॉ. गरिमा गनेरीवाल के जन्मदिवस पर गनेरीवाल परिवार एवं मनोज-श्रीमती ममन अग्रवाल परिवार (ममता एंजेली, हैदराबाद) द्वारा नामपल्ली स्थित पालिक गार्डन, पिलर नं. 1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्फाबेट सेवा की गई। इस अवसर पर - रामफार्मा अग्रवाल, जगत नाथ अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, बिमल किशोर सांधी, नमन सांधी, ई-जगन (चंपा पेट), भगतराम गोयल, रंजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, रंजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, गोपाल गोयल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

भूमि सौदों में बड़े बदलाव की तैयारी

CHANGE OF NAME
I, VADDI REDDY AMANI is legally,
wedded spouse of Army No.JC
733878W Sub RamakrishnaReddy
Katti R/o. Vill&post:Haliya
&Teh:Anumula, Dist:Nalgonda,
Telangana 508377 have
changed my name from
VADDI REDDY AMANI to
VADDIREDDY AMANI vide
affidavit dt:15/05/2025 before
C.V.N Ramakrishna, Advocate
and Notary, Sunderabad

Hence this Public Notice.
Sd/-
Mohd. Khader Hussain (Faheem) L.L.B.,
ADVOCATE
Cell: 9849584406

कर उसकी हत्या कर दी। वह व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

